केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 251 बुधवार 3 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पिछली सरकारों में होते थे बम विस्फोट– योगी

बदायूं (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि स्वार्थ की खातिर मिलकर चुनाव लड़ रहे सपा और कांग्रेस के नेताओं ने हमेशा उत्तर प्रदेश को बाहरी राज्यों में बदनाम करने का प्रयास किया मगर सब जानते हैं कि घनी आबादी वाले इस राज्य में 2017 के बाद से बम विस्फोट नहीं बल्कि हर हर बम बम की सुरलहरी सुनाई देती है। बदायूं से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी दुर्विजय सिंह शाक्य और आंवला से भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप के समर्थन में मंगलवार को प्रबुद्ध सम्मेलन को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि सपा–कांग्रेस अराजकता फैलाते थे। कांवड़ यात्रा पर बैन लगाते थे। यह कर्फ्यू के समर्थक हैं। इनके समय गुंडे जगह–जगह बम विस्फोट करते थे, लेकिन हमने कहा कि यूपी में बमबाजी नहीं, हर–हर–बम–बम होगा।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की बड़ी ताकत बन सके, इसके लिए उन्हें तीसरा कार्यकाल दीजिए क्योंकि पहले तीन वर्ष में ही मोदी जी भारत को तीसरी बड़ी महाशक्ति के रूप में स्थापित करने जा रहे हैं। यह विकसित भारत की आधारशिला बनेगा। विकसित भारत के लिए विकसित यूपी, विकसित यूपी के लिए विकसित बदायूं जरूरी है। विकसित बदायूं के लिए भाजपा को आपका आशीर्वाद आवश्यक है।

सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, प्रदेश सरकार की मंत्री गुलाब देवी, बदायूं की सांसद संघमित्रा मौर्या, बदायूं से सांसद प्रत्याशी दुर्विजय सिंह शाक्य, आंवला से भाजपा प्रत्याशी धर्मेंद्र कश्यप, विधान परिषद सदस्य वागीश पाठक, संतोष सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, विधायक महेश गुप्ता, राजीव सिंह, कुंवर महराज सिंह, हरीश शाक्य आदि मौजूद रहे।

उज्जवल रमण सिंह कांग्रेस में शामिल

लखनऊ (आभा)। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह के बेटे उज्जवल रमण सिंह ने मंगलवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। माना जा रहा है कि कांग्रेस प्रयागराज से उज्जवल रमण सिंह को लोकसभा का प्रत्याशी बना सकती है। कांग्रेस ने यूपी की 17 में से चार सीटों पर अभी तक प्रत्याशियों का ऐलान नहीं किया है। इनमें अमेठी, रायबरेली और मेरठ के साथ ही प्रयागराज से नामों का ऐलान अभी होना है।

डीएम ने किया सम्प्रेक्षण गृह का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) में बढते हुए कैदियों की संख्या को देखते हुए निरीक्षण किया तथा उन्हें शिफ्ट करने के लिए सेल्टर होम, जिला कारागार का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जेल अधीक्षक, प्रोबेशन अधिकारी, सम्प्रेक्षण गृह अधीक्षक की टीम गठित की है, जो संयुक्त रूप से जिला कारागार में बाल किशोर कैदियों को शिफ्ट करने का निम्नावली रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगें, जिससे जिला जज़ मानीटरिंग सेल के माध्यम से शासन को अग्रिम कार्यवाही हेतु भेंजा जा सके।

आप नेता संजय सिंह को मिली जमानत

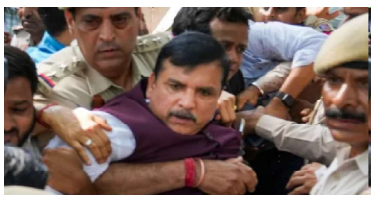

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आप सांसद संजय सिंह को जमानत दे दी। जस्टिस संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने मंगलवार को छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को जमानत देने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि अगर आप नेता को मामले में जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने छह महीने से जेल में बंद संजय सिंह को रिहा करने का आदेश दिया।

पीठ ने कहा कि आप नेता अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं लेकिन इस मामले के संबंध में कोई बयान नहीं दे सकते। हालांकि, बेंच ने साफ किया कि संजय सिंह को दी गई जमानत को 'मिसाल' के तौर पर नहीं लिया जाएगा। तीन जजों की बेंच ने कहा कि सिंह पूरे मुकदमे के दौरान जमानत पर बाहर रहेंगे और उनकी जमानत की शर्तें विशेष अदालत तय करेगी। ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी. राजू ने कहा कि उन्होंने जांच एजेंसी से निर्देश ले लिए हैं और अगर संजय सिंह को जमानत दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा था कि क्या सिंह को और कुछ समय के लिए हिरासत में रखने की जरूरत है? सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से कहा था कि अगर दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में आप नेता संजय सिंह की हिरासत की जरूरत है तो लंच ब्रेक के बाद इससे उसे अवगत कराया जाए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को जमानत दिए जाने पर कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा, ष्सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं। सत्यमेव जयते, मैं अदालत के इस फैसले का स्वागत करता हूं... हाई कोर्ट को अरविंद केजरीवाल को भी जमानत दे देनी चाहिये। कहा, 'सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं।

सीपीआई के महासचिव डी राजा ने आप नेता और सांसद संजय सिंह की जमानत पर कहा कि यह केंद्र सरकार की प्रतिशोध की राजनीति को करारा झटका है।

सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' लोकसभा बस्ती 61 से प्रवासी नियुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' को लोकसभा बस्ती 61 का प्रवासी नियुक्त किया है। सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' ने बताया कि मोर्चा ने जो दायित्व सौंपा है उसका पूरी निष्ठा से पालन किया जायेगा और बस्ती में लगातार तीसरी बार भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिये बूथ स्तर पर प्रयास होगा।

सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' को लोकसभा बस्ती 61 का प्रवासी नियुक्त किये जाने पर सांसद भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा गोपेश्वर त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा, राजेन्द्र नाथ तिवारी, दिवाकर मिश्र, राम चरन चौधरी, अरविंद पाल, दुष्यंत विक्रम सिंह, दिलीप पाण्डेय, अनूप शुक्ल, मनोज पाण्डेय, मन्टू दूबे, संजय मिश्रा,जीडी मिश्रा, अनिल दुबे, अंकुर श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, राजेश पाल चौधरी,गिल्लम चौधरी, आकाश श्रीवास्तव, अमृत वर्मा,जान पाण्डेय के साथ ही भाजपा के अनेक नेताओं, पदाधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

गर्मी की बीमारियों में कारगर है होम्योपैथिक उपचार– डा. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला चिकित्सालय के आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा ने गर्मी के मौसम में लोगों को बचाव की जानकारी दी। डा. वर्मा ने बताया कि गर्मी के मौसम में भूख गायब हो जाती है और दिन भर कुछ लोगों को बस प्यास ही सताती है। गर्मी में पेट और पाचन से जुड़ी समस्याएं सबसे ज्यादा होती है. जरा सी लापरवाही से उल्टी–दस्त की समस्या होने लगती है. इसीलिए आपको गर्मी में दिनचर्या और खाने पीने का बहुत ख्याल रखना चाहिए ।खुली जगह में विश्राम न करें, सिर पर सफेद गीले कपड़े की पूरे सिर की पगड़ी , रूमाल बांधकर रहे सूखने पर गीला रखे पूरे शरीर पर सफेद , हल्के रंग के कपड़े पूरी बोह तक के ढीले वस्त्र पहने आँखों पर धूप का चश्मा , छतरी हैट का प्रयोग करें । पानी का सेवन अधिक से अधिक करें (5 लीटर से 8 लीटर) प्रति दिन शुद्ध पेयजल (जमीनी जल) छाछ , पना , जलजीरा, नीबू नमक, पानी आदि का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें । यात्रा करते समय पर्याप्त मात्रा में पानी रखें । शराब चाय, काफी, एवं साफ्ट ड्रिंक्स का उपयोग न करें , मांसाहारी खाना न खाये, हल्का फुल्का भोजन करें । अगर कुछ असुविधा महसूस करे तो तुरन्त डाक्टर से सलाह लें ।

डा. वर्मा ने बताया कि होम्योपैथिक उपचार तेजी से दर्द, गति उपचार, और संक्रमण को रोकने के लिए काम करते हैं. इसके अलावा होम्योपैथिक उपचार सुरक्षित, और साइड इफेक्ट्स के बिना हैं। बेलाडोना, एकोनाइट, ग्लोनायन,, कैंथरिस , फेरम फॉस, कैलेंडुला, अर्नीका आदि होम्योपैथिक दवायें गर्मी के दिनों में कारगर है। मरीजों को चिकित्सक से परामर्श लेकर ही इसका प्रयोग करना चाहिये।

परिषदीय विद्यालय का ताला तोड़कर चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परिषदीय विद्यालयों में चोरी की घटना लगातार जारी है। आए दिन किसी न किसी विद्यालय में चोरी की घटना को चोरों द्वारा अंजाम दिया जा रहा है। इसी क्रम में हरैया विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय हुड़रा कुंवर का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। विद्यालय की शिक्षिका माधवी सिंह ने बताया कि इस मामले में प्रधानाध्यापिका गीता सिंह ने पत्र के माध्यम से घटना की जानकारी को खंड शिक्षा अधिकारी हरैया को दिया है। बताया कि मंगलवार सुबह 7रू30 बजे जब विद्यालय के लिए बच्चे और शिक्षक पहुंचे तो विद्यालय के मेन गेट का ताला टूटा हुआ मिला अंदर जाने पर कार्यालय का ताला भी टूटा मिला। कार्यालय में रखें दोनों अलमारी का लाक टूटा मिला तथा उसमें रखा हुआ सामान चहक किट, खेल किट, साउंड, दीवाल पंखा, सोफा कवर, गुलदस्ता आदि समान कर उठा ले गए।

स्कूल बस पलटी, 4 छात्रों समेत 5 की मौत

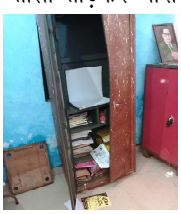

बाराबंकी (आभा)। सरकारी स्कूल के बच्चों को लेकर लखनऊ चिड़ियाघर गई बस हादसे का शिकार हुई। इस दर्दनाक हादसे में चार बच्चों की मौके पर मौत हो गई। 24 से अधिक बच्चे जख्मी हो गए हैं। जिले के देवा कोतवाली क्षेत्र में सलारपुर गांव के पास अचानक आए एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में बस का चालक स्टेयरिंग से संतुलन खो बैठा। तेज रफ्तार बस लहराते हुए सड़क के किनारे पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में अब तक चार बच्चों की मौत की खबर है जबकि दो दर्जन बच्चे घायल हुए हैं। मौके पर कई थानों की पुलिस फोर्स, शिक्षा विभाग के अधिकारियों का जमावड़ा लग गया। घायल बच्चों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजवाया गया।

जिन बच्चों के मौत की बात कही जा रही है उनके परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है। सीओ सिटी जगत राम कनौजिया ने बताया कि घायलों को अस्पताल भिजवाया जा रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि यह बच्चे सूरतगंज ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय हरक्का के है। जिनको विभाग की ओर से शैक्षिक भ्रमण पर लखनऊ के चिड़ियाघर व अन्य स्थानों पर सुबह ले जाया गया था। शाम को यह बस वापसी कर रही थी।

पढाई के साथ छात्रों को मिलेगा प्रतियोगी तैयारियों का अवसर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जी.वी.एम. कान्वेंट स्कूल ने इस वर्ष से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यालय में एसआईपी प्रोग्राम का शुभारंभ किया है । जीवीएम कान्वेंट स्कूल एवं वशिष्ठ करियर संस्थान के संयुक्त प्रयास से स्कूल के परिसर में कक्षा नवी से 12वीं तक के बच्चों का करियर काउंसलिंग संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इसमें सैकड़ो की संख्या में छात्र–छात्राएं और अभिभावकों ने हिस्सा लिया ।

विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह, प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी सिंह एवं वशिष्ठ करियर संस्थान के निदेशक इंजीनियर शोभित शुक्ला ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम की शुरूआत किया। संतोष सिंह ने कहा कि विद्यालय परिवार समय–समय पर बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए तरह–तरह के कार्यक्रम आयोजित करता है। इसी कड़ी में यह गोष्ठी आयोजित की गई है इसका उद्देश्य बच्चों को स्कूल परिसर में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उचित शुल्क में कराई जाएगी । विद्यालय के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बाहर दूसरे जिलों में नहीं जाना पड़ेगा। वशिष्ठ करियर संस्थान के निदेशक इंजीनियर शोभित शुक्ला ने बताया कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे कराई जाएगी। इंजीनियर वरुण कुमार ने भी अपने विचार रखे। गोष्ठी में बच्चों एवं अभिभावकों के शंकाओं का समाधान भी किया गया संगोष्ठी का संचालन विद्यालय के रसायन विज्ञान के अध्यापक शैलेंद्र मिश्रा ने किया। इस अवसर पर राकेश, राजेश, निर्मल, सुधांशु, रिचा, तूलिका निधि, नम्रा समेत आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

चित्रांश क्लब पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–होली मिलन के बीच मतदाता जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प

बस्ती । चित्रांश क्लब द्वारा मालवीय रोड स्थित एक होटल के सभागार में जिला कार्यकारिणी के विस्तार, पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण के साथ ही होली मिलन समारोह मनाया गया। क्लब के संस्थापक राजेश चित्रगुप्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत बढाने के लिये कलब द्वारा सघन जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

चित्रांश क्लब अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने सर्व सम्मति से कार्यकारिणी का विस्तार करते हुये बताया कि डा. कृष्ण कुमार प्रजापति संयोजक, अनिल कुमार पाण्डेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अमर सोनी, उमंग शुक्ल, दीपू श्रीवास्तव, राजेश कुमार, अवनीश प्रताप सिंह, अभिषेक गुप्ता उपाध्यक्ष, शेष नारायण गुप्ता महामंत्री, मुजीब अंसारी रणदीप माथुर, अयाज रहमान, अरविन्द चौधरी, राजकुमार श्रीवास्तव सचिव, राजकुमार प्रजापति, जय प्रकाश उपाध्याय सांस्कृतिक सचिव, शम्भूनाथ गुप्ता मीडिया प्रभारी, सूरज प्रजापति कोषाध्यक्ष घोषित किये गये। दुर्गेश पाण्डेय और अतुल श्रीवास्तव को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है। पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण कराते हुये डा. वी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि समाज निर्माण में सामाजिक संगठनों का विशेष योगदान है। चित्रांश क्लब निरन्तर इस दिशा में अग्रसर है। संरक्षक दिनेश श्रीवास्तव 'मास्टर साहब' ने चित्रांश क्लब के उद्देश्य पर विस्तार से जानकारी दी।

शपथ ग्रहण और होली मिलन समारोह में मुख्य रूप से रेखा चित्रगुप्त, संध्या दीक्षित, अर्चना श्रीवास्तव, शीला पाठक, सविता श्रीवास्तव, उर्मिला पाठक, संज्ञा श्रीवास्तव, रानी, संध्या पाण्डेय, रागिनी गुप्ता, प्रीती, संजू श्रीवास्तव, किरन पाण्डेय, सर्वेश श्रीवास्तव, रामकमल सिंह, अतुल चित्रगुप्त, अजय कुमार श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, रत्नाकर आदर्श, जी. रहमान, रामानन्द 'नन्हें', मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, सूर्यनारायण गुप्ता, उदयशंकर लाल के साथ ही चित्रांश क्लब के अनेक पदाधिकारी एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

बस्ती में कड़ाई से लागू होंगे आदर्श आचार संहिता के प्राविधान, डीएम ने दिये निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दौरान धनराशि, मादक पदार्थ, ड्रग एवं सामान के परिवहन पर सतर्क निगाह रखने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने सभी नोडल एवं बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में उन्होने कहा कि हमें आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू कराना है और इसका उल्लघंन पाये जाने पर विधिक कार्यवाही करना है। उन्होने आयकर, वाणिज्यकर, आबकारी एवं अन्य विभाग के नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा प्रवर्तन कार्य की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए नियमित जॉच करते रहें। इस दौरान सुनिश्चित करें कि व्यवहार एवं आचरण मधुर हो तथा उनकी टीम द्वारा किसी प्रकार का उत्पीड़न ना किया जाय।

उन्होने निर्देश दिया कि इस दौरान आधिकारिक एवं अनाधिकारिक ढंग से सामान का परिवहन किया जायेंगा। यदि कोई व्यक्ति समुचित रसीद या उससे संबंधित कागज प्रदर्शित करता है, तो उसे नही रोकना है परन्तु यदि वह रसीद या कागज नही दिखा पाता है, तो इसकी सूचना तत्काल नोडल आफीसर/मुख्य कोषाधिकारी को देना होगा। उन्होने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोकसभा का प्रत्येक प्रत्याशी बैंक या पोस्ट आफिस में नया खाता खुलवायेंगा। इसमें प्रत्येक लेन–देन का विवरण प्रत्येक दिन शाम को लीड बैंक मैनेजर के माध्यम से निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराना होंगा। प्रत्याशी द्वारा अन्य श्रोतो से भी निर्वाचन के दौरान व्यय किया जा सकता है। उन्होने बताया कि प्रत्याशी व्यक्तिगत अथवा निर्वाचन अभिकर्ता के साथ संयुक्त खाता खुलवायेंगे। निर्वाचन के लिए संयुक्त खाता परिवार के सदस्य के साथ नही खोला जायेंगा। प्रत्याशी द्वारा इसी एक खाते में बार–बार धन का लेन–देन किया जायेंगा, इसलिए बैंक इनका पूर्ण सक्रिय सहयोग करें।

बैठक में उन्होने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, विभिन्न राज्य मार्ग, पोस्ट आफिस, रेलवे से जुड़े अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे भी इस दौरान नियमित जॉच करते रहेंगे तथा धनराशि, मादक पदार्थ एवं सामान के परिवहन की सूचना तत्काल नोडल अधिकारी को उपलब्ध करायेंगे। उन्होने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर अनावश्यक टिप्पणी ना करें तथा इसके प्रयोग पर सावधानी बरतें।

एडीएम/उप जिला निर्वाचन अधिकारी कमलेश चन्द्र ने बैंक खाते में असामान्य लेन–देन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। पुराने खाते में पिछले दो माह से कोई लेन–देन ना होने के बावजूद निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान लेन–देन शुरू करने, परिवार के सदस्य के खाते में 01 लाख रूपये से अधिक का लेन–देन करने, राजनैतिक दल के खाते में 01 लाख रूपये से अधिक लेन–देन करने पर इसकी सूचना देनी होंगी।

नोडल अधिकारी/मुख्य कोषाधिकारी अशोक प्रजापति ने बताया कि माल पकड़े जाने की सूचना ईएसएमएस ऐप पर अपलोड किया जायेंगा। 50 हजार रूपये से अधिक नकदी पाये जाने पर और श्रोत या साक्ष्य ना दिखाये जाने पर इस ऐप पर इंट्री की जायेंगी तथा उसकी प्राप्ति रसीद संबंधित को दी जायेंगी। 01 लाख रूपये तक की नकदी मिलने पर पार्टी कोषाध्यक्ष का एथार्टी लेटर प्रस्तुत ना करने पर ही इसे जब्त किया जायेंगा। 10 हजार रूपये से अधिक का गिफ्ट, गैरकानूनी वस्तु, पोस्टर, पम्पलेट पाये जाने पर जब्ती की कार्यवाही की जायेंगी। 10 लाख रूपये के ऊपर नकदी मिलने पर आयकर अधिकारी को सूचित किया जायेंगा। 10 लाख रूपये से कम धनराशि होने पर पुलिस विभाग द्वारा सीजर की कार्यवाही की जायेंगी।

बैठक में आयकर अधिकारी मनीष पाठक, एआरटीओ पंकज सिंह, लीड बैंक मैनजर आर.एन. मौर्या, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी, विभिन्न राज्य मार्ग के अधिकारी, पोस्ट आफिस के अधिकारी तथा जीआरपी थानाध्यक्ष एम.पी. चतुर्वेदी, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष, सभी बैंको के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

परिषदीय विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–सांस्कृतिक आयोजन बेहतर पठन पाठन में सहायक डा– बृजेश शुक्ल

बस्ती। हरैया विकासखण्ड के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय उभाई के परिसर में सोमवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया के अधीक्षक डॉ बृजेश कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा की अगुवाई में विद्यालय के शिक्षक देवेंद्र शुक्ल, प्रमोद त्रिपाठी, साकेत, मेराज, उत्तम, प्रदीप, विमलेंद्र, सुमन, मधुलिका, सरिता द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर बुके व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिससे बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शक झूम उठे। विद्यालय की शालिनी, सोनी, नेहा, शिखा, जानकी, मीनाक्षी द्वारा सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। कक्षा एक की वंदना, कोमल, सलोनी आदि द्वारा टनटन घंटी बजी। कक्षा 2 की अंशिका, सौरभ, रोहन, रागिनी, अंश द्वारा एक बटा दो दो बटा चार। शिखा, जानकी, सोनी, नेहा, प्रिया द्वारा सावन आया बादल छाए। ममता, रितिका, कोमल, प्रियांशी द्वारा उठो जवानों देश की स्वतंत्रता के साथ ही स्वच्छता गीत, राधाकृष्ण नृत्य, राम आयेंगे, भगत सिंह नाटक, किसान गीत, वन्दे मातरम, नेता जी का इंटरव्यू आदि प्रस्तुति हुई जो कि देर रात तक चलती रही। उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ बृजेश कुमार शुक्ल ने कहा कि इस ग्रामीण अंचल के परिषदीय विद्यालय में इस तरह का शानदार आयोजन काबिले तारीफ है। कहा कि इस तरह का शानदार सांस्कृतिक आयोजन शिक्षकों की मेहनत का परिणाम है जो कि बेहतर पठन–पाठन के माहौल में बहुत ही सहायक है। कार्यक्रम को शिक्षक नेता उदय शंकर शुक्ल, रामसागर वर्मा, सन्तोष कुमार शुक्ल, गिरजेश बहादुर सिंह, विवेक कान्त पाण्डेय ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन धनीष त्रिपाठी और डॉ योगेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर राजकुमार तिवारी, प्रधान प्रतिनिधि धर्मपाल यादव, अखिलेश सिंह, शैलेश कुमार सिंह, गिरजेश सिंह, पवन मिश्र, अनिल त्रिपाठी, राजीव शरण, भगवत प्रसाद उपाध्याय, सुनील बीडीसी, रामबचन कोटेदार, शिव प्रकाश सिंह, प्रशांत सिंह, अविनाश सिंह, शुभम शुक्ल, विकास पाण्डेय, हरी सिंह, अमरचंद वर्मा, मानिक राम वर्मा, आदित्य सिंह, राकेश सिंह, चिन्मय राय, जयशंकर मिश्र, बालकृष्ण मिश्र, भीम उपाध्याय, श्री नारायण, ठाकुर प्रसाद, सर्वेश वर्मा, अमित मिश्र, श्री कान्त, विजय मिश्र, काशीराम वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, कर्मचारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 अप्रैल 2024 बुधवार

सम्पादकीय

खुशी के पैमाने और भारत

खुशी मापने के वैश्विक पैमाने को लेकर तमाम किंतु–परंतु रहे हैं लेकिन फिर भी भारत के नीति–नियंताओं को इस सवाल पर आत्ममंथन करना चाहिए कि भारत दुनिया के करीब 140 देशों में 126वें नंबर पर क्यों है। खुशी मापने के पश्चिमी चश्मे पर हमेशा से ही सवाल उठते रहे हैं, फिर भारत जैसे विशाल जनसंख्या व सांस्कृतिक विविधता वाले देश को एक पैमाने से मापना अतार्किक ही है। हो सकता है जिस बात पर अमेरिकी नागरिक खुश होते हों, वह एक आम भारतीय की खुशी की वजह न हो। सही मायनों में खुशी का आधार संतोष होता है। जो एक सापेक्ष स्थिति है। एक मनरूस्थिति है। फिर भारत जैसे देश का दर्शन भौतिक संपदा के बजाय आंतरिक शांति और संतुष्टि में खुशी तलाशता रहा है। फकीरों की मौज को खुशी के पैमाने पर कदापि नहीं आंका जा सकता। वैसे पश्चिमी मापदंड के आधार पर कर्ज में डूबे व अराजकता से जूझते देश पाकिस्तान को भारत के मुकाबले ज्यादा खुशहाल बताने का तर्क गले से नहीं उतरता। इस बार की वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट में एक बार फिर सातवीं दफा फिनलैंड लगातार खुशहाल देश बना है। उसके बाद डेनमार्क व आइसलैंड का नंबर आता है। ये देश विकसित मगर भारत के एक छोटे शहर की जितनी आबादी वाले देश हैं। निस्संदेह, बड़ी जनसंख्या का हमारी नागरिक सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ता ही है। भले ही हमारे नीति–नियंताओं की नीतियों में खोट रहे हों और भ्रष्टाचार व्यवस्था को लीलता रहा है, लेकिन हम कैसे भूलें कि देश सदियों की गुलामी से निकलकर अपने पैरों पर खड़ा हुआ है। भले ही देश में घनघोर आर्थिक असमानता हो, लेकिन फिर भी आज देश की आर्थिक विकास की दर दुनिया में सबसे ज्यादा है। जरूरी है कि आर्थिक विकास समतामूलक होना ही चाहिए। लेकिन यहां एक सवाल यह भी है कि क्या आर्थिक संपन्नता ही खुशी का आधार है? अगर वाकई आधार है तो क्यों आम भारतीयों के सपनों का अमेरिका पहले दस खुश देशों की सूची से बाहर है? क्यों कोई भी विकसित बड़ा राष्ट्र पहले दस खुश देशों में शामिल नहीं है?

बहरहाल, वैश्विक खुशी का सूचकांक हमारे नीति–नियंताओं को आत्ममंथन का मौका देता है। सत्ताधीशों को विचार करना होगा कि आखिर आम भारतीय कैसे खुश हो सकता है। देश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर शिक्षा व्यवस्था कैसे स्थापित की जा सकती हैं। देश में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों, जातीय भेदभाव, निरक्षरता और आर्थिक असमानता को दूर करने की गंभीर पहल तो होनी ही चाहिए। बेरोजगारी की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित करने की जरूरत है। महिलाओं को सशक्त बनाकर अर्थव्यवस्था में उनकी बड़ी भूमिका निर्धारित की जानी चाहिए। लोगों का देश की कानून व्यवस्था के प्रति भरोसा बने, ऐसी नीतियों को क्रियान्वित करने की जरूरत है। कोशिश होनी चाहिए कि देश में प्रति व्यक्ति आय बढ़े। सत्ताधीशों की विश्वसनीयता बने और संवैधानिक संस्थाओं को मजबूती प्रदान की जाए। यदि ऐसा होता है तो देश में खुशी के सूचकांक में सुधार संभव है। भारतीय सामाजिक तानेबाने की अपनी विशेषताएं रही हैं। उसे वैश्विक मंच पर मान्यता दिलाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि इस रिपोर्ट का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि भारतीय वृद्धों में जीवन के प्रति संतुष्टि का स्तर ऊंचा है। इसका आधार भारतीय जीवन मूल्यों की मजबूती भी है। जबकि पश्चिमी देशों में वृद्धों की बड़ी आबादी आज भी एकाकी जीवन के त्रास को झेल रही है। भारत में संयुक्त परिवारों में बिखराव के बावजूद बड़ी आबादी फिर भी अपने बुजुर्गों का ख्याल रखती है। दरअसल, मीडिया में प्रकाशित नकारात्मक समाचारों से आम लोगों में भारतीय पारिवारिक मूल्यों के प्रति भ्रामक धारणा बनती है। इसके बावजूद आम भारतीय के जीवन स्तर को सुधारने के लिये कई मोर्चों पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देश में सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सद्भाव की दिशा में भी बहुत काम किये जाने की जरूरत है। जीवन की गुणवत्ता में धनात्मक बदलाव के लिये सरकारों, सामाजिक संगठनों व सामुदायिक संस्थाओं को रचनात्मक पहल करने की जरूरत है। यदि ऐसा होता है तो अगली बार खुशी के सूचकांक में उत्साहवर्धक परिणाम हो सकते हैं।

रैलियों के रेले और लोकतंत्र

—अवधेश कुमार—

31 मार्च को राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की तथा चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राजग की पहली रैली मेरठ में हुई। हालांकि इस बार मेरठ रैली से ज्यादा प्रचार रामलीला मैदान का था क्योंकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी तथा कांग्रेस पर आयकर विभाग द्वारा 3567 करोड़ की देनदारी का नोटिस मिलने के बाद यह पहली रैली थी। निश्चित रूप से चुनावी माहौल के कारण दोनों का महत्व था और संपूर्ण देश का ध्यान इन पर था। भाजपा और राजग की दृष्टि से देखें तो यह चुनाव की सामान्य रैली मानी जाएगी। जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल का भाजपा के साथ गठबंधन है और वह इस रैली में मौजूद रहेंगे, इसे लेकर किसी को संदेह नहीं था। इसलिए रैली का आकर्षण तो था किंतु कौतूहल जैसा कुछ नहीं था।

इसके समानांतर 'इंडिया' की रैली को लेकर कौतूहल भी था तथा इसके नेताओं के लिए अभी तक का सबसे बड़ा अवसर भी माना जाएगा। कारण, विपक्ष जनता के बीच स्वयं को पीड़ित और दमित बताकर चुनाव में जा रहा है तथा उसका मूल स्वर यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विपक्षी नेताओं और पार्टियों को खत्म करने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है, जो देश में लोकतंत्र को खतरा है। इसलिए इसका नाम ही लोकतंत्र बचाओ रैली रख दिया गया। स्वाभाविक ही राजधानी दिल्ली से देश की जनता को अपनी बात प्रभावशाली ढंग से पहुंचाने तथा उनका समर्थन हासिल करने की संभावना पैदा करने का अभी तक का सबसे बड़ा अवसर था। अगर वह अपने कार्यकर्त्ताओं, कट्टर समर्थकों के अलावा कुछ समूहों को और प्रभावित कर पाते तो चुनाव में ताकत बढ़ाने की संभावना पैदा हो सकती थी। प्रश्न है कि क्या इस दृष्टि से 'इंडिया' की रामलीला मैदान रैली वाकई सफल मानी जा सकती है?

राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अभी तक ठोस जनाधार बना हुआ है। 70 में से 62 विधायक उसके हैं। इस कारण यहां अच्छी–खासी संख्या अपेक्षित ही थी। इसके साथ पंजाब में भी उनकी सरकार है और हरियाणा, राजस्थान से कांग्रेस के लोगों की उपस्थिति भी संभावित थी। अखिलेश यादव इसमें शामिल थे, इसलिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से सपा कार्यकर्त्ताओं और समर्थकों का भी आना निश्चित था। यह तो नहीं कहा जा सकता कि संख्या दृष्टि से रैली कमजोर थी। संख्या ठीक–ठाक थी, किंतु इतनी तैयारी के बाद राजधानी दिल्ली में जिस तरह का जैन सैलाब दिखना चाहिए था, वैसा नहीं दिखा। अरविंद केजरीवाल के गिरफ्तार होने के बाद से इस प्रश्न का उत्तर नहीं मिल रहा है कि इतने विधायकों और पार्षदों वाली पार्टी का प्रचंड विरोध प्रदर्शन राजधानी में क्यों नहीं हो रहा?

'इंडिया' में शामिल दलों की जो स्थिति है, उसमें इसके ज्यादातर नेताओं या पार्टियों का प्रतिनिधित्व होना था और हुआ। ममता बनर्जी उपस्थित होतीं तो संदेश ज्यादा बेहतर जाता। नेताओं के भाषणों को देखें तो उनमें नए तत्व या पहलू तलाशना मुश्किल है। तथ्यों, तर्कों और प्रखरता के आलोक में भाषण ऐसे नहीं थे, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर लोगों के अंदर गुस्सा और विद्रोह की भावना पैदा हो। राहुल गांधी अगर 400 पार का नाम लेते हुए मैच फिक्सिंग की बात कर रहे थे, तो तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले से ही ई.वी.एम. सैट होगा, तभी 400 का नारा दिया जा रहा है। इसके द्वारा 'इंडिया' के नेतागण क्या संदेश दे रहे थे? यह प्रकारांतर से चुनाव परिणाम के पूर्व ही अपनी पराजय को स्वीकार करने जैसा था। इसके अलावा ज्यादातर नेताओं का भाषण, लोकतंत्र खत्म हो गया है, ई.डी., सी.बी.आई. जैसी संस्थाओं के माध्यम से विपक्ष के नेताओं पर कार्रवाई की जा रही है, उनको जेलों में डाला जा रहा है, मीडिया को दबाव में ला दिया गया है आदि पर ही टिका हुआ था।

विडंबना देखिए कि लोकतंत्र के नाम पर आयोजित रैली का सबसे बड़ा फोकस अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल की उपस्थिति हो गई। जैसे ही समाचार आया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवान मान सुनीता केजरीवाल को लेकर रामलीला मैदान पहुंच रहे हैं, पूरी मीडिया का ध्यान वहीं केंद्रित हो गया। सुनीता केजरीवाल ने अपने भाषण में बताया कि अरविंद केजरीवाल जी ने आपके लिए 6 गारंटियां दी हैं। ये गारंटियां वही हैं, जो पहले से जनता को क्या मुफ्त दिया जा सकता है, अरविंद केजरीवाल की ओर से अनेक बार बोला जा चुका है। महत्वपूर्ण बात यह थी कि सुनीता ने वहीं कह दिया कि हमने यह बोलने से पहले 'इंडिया' के नेताओं से इस पर चर्चा नहीं की लेकिन उम्मीद है कि सभी इसका समर्थन करेंगे। यानी यहां भी अरविंद केजरीवाल ने 'इंडिया' में स्वयं को सबसे अलग दृष्टिकोण और विचारों वाला नेता अपनी पत्नी के माध्यम से साबित करने की कोशिश की।

वास्तव में विपक्ष की रैली से कोई एक रूप, एक स्वर का संदेश नहीं निकल पाया। नेता एकत्रित जरूर हुए, उनका गुस्सा भी प्रकट हुआ और किसी तरह नरेंद्र मोदी सरकार को सत्ता से हटाने की भावना भी, लेकिन इसके अलावा कुछ नहीं। लोगों ने देखा है कि राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' नामक गठबंधन नहीं है। केवल कुछ राज्यों में पार्टियों के बीच गठजोड़ है और कुछ में ये आपस में लड़ रहे हैं। जैसे पश्चिम बंगाल और केरल में इनके घटक एक–दूसरे के सामने हैं। अन्य जगह भी कई प्रकार के अंतर्संघर्ष व द्वंद्व हैं। इस रैली का कोई एक ऐसा नेता नहीं था, जिसका सभी एक स्वर में नाम लें और लगे कि उसके नेतृत्व में रैली से एकजुटता का स्वर निकला है। यहां तक कि रैली में सुनीता केजरीवाल शामिल होंगी, इसकी जानकारी भी दूसरी पार्टी के ज्यादातर नेताओं को पहले से नहीं थी। ऐसा होता तो मंच से इसकी घोषणा की जाती। शायद आम आदमी पार्टी या फिर कई अन्य पार्टियों और नेताओं को यह उम्मीद रही होगी कि हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन तथा सुनीता को मंच पर लाकर लोगों की सहानुभूति बटोरी जा सकती है।

किंतु इसका दूसरा संदेश यह भी निकल रहा था कि आखिर इन नेताओं के जेल में जाने के बाद पार्टी के दूसरे पुरुष या महिला नेता इनकी आवाज बनकर क्यों नहीं आ रहे? क्या पार्टी में भी परिवार की ही आवाज इन नेताओं का प्रतिनिधित्व करेगी? यह ऐसा प्रश्न है, जिसका उत्तर 'इंडिया' के लिए देना आसान नहीं रहेगा। आम आदमी पार्टी की ओर से भगवंत मान ने भी अपनी बातें रखीं, पर वह वहां अरविंद केजरीवाल के प्रतिनिधि या पार्टी के भावी नेता के रूप में नहीं दिख रहे थे। दूसरी ओर मेरठ का विश्लेषण करें तो वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग के सभी घटक दलों के बीच विचार, वक्तव्य और व्यवहारों में एकरूपता स्पष्ट दिखाई दे रही थी। किसी का कोई अलग स्वर नहीं था। प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को सही ठहराते हुए यही कहा कि यह जारी रहेगी और इसके नाम पर जो दल इकट्ठे हो रहे हैं, उनके दबाव में सरकार नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि मैं कहता हूं कि भ्रष्टाचार खत्म करेंगे और वह कहते हैं कि हम सरकार को हटाएंगे। दूसरे, उन्होंने लोगों को बताया कि हम अगले 5 वर्षों के लिए सरकार का एजेंडा तैयार कर रहे हैं और परिणामों के बाद नई सरकार गठन होते ही 100 दिनों की कार्ययोजना पहले से तैयार कर ली गई है।

इस तरह का आत्मविश्वास प्रकट करके जनता को बताया गया कि हम केवल देश के लिए ही सोचते हैं और जिनके स्वार्थ पर आघात पहुंचा है, जिनके भ्रष्टाचार सामने लाकर कार्रवाई हुई है, वही सब हमारी या हमारी सरकार का विरोध कर रहे हैं। इसके साथ–साथ योगी आदित्यनाथ ने मोदी की गारंटी और हिंदुत्व संबंधी विचारों और कार्यों को सामने रखकर कार्यकर्त्ताओं तथा समर्थकों के मनोभावों को अभिव्यक्ति दी। इसी तरह जयंत चौधरी ने जब यह कहा कि दूसरी सरकार होती तो चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान नहीं मिलता, तो जनसमूह ने तालियों की गड़गड़ाहट से इसे समर्थन दिया। इस तरह दोनों रैलियों के तुलना करके आप स्वयं उद्देश्यों की दृष्टि से उनकी सफलता और प्रभावों का आकलन कर सकते हैं।

तेरा भ्रष्टाचार मेरा भ्रष्टाचार की राजनीति

—राजेश माहेश्वरी—

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष बुरी तरह घिर चुका है। ये वो जमीनी सच्चाई है, जिससे विपक्ष मुंह तो फेर सकता है, लेकिन इससे वो बच नहीं सकता। केंद्र की मोदी सरकार ने खूब कसकर विपक्ष की इस कमजोर नस को दबा दिया है। इसलिए विपक्ष की चीख देश को सुनाई दे रही है। विपक्ष लाख यत्न के बाद भी पिछले दस सालों में मोदी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई कोई मुद्दा खोज नहीं पाया है। विपक्ष मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप भले ही लगाता हो, लेकिन उसके पास कोई पुख्ता प्रमाण नहीं जिसे वो देश के सामने रख पाया हो। ऐसे में बार–बार मोदी सरकार को बदनाम करने की नीयत से जब वो ऐसे आरोप लगाता है तो खुद उसकी छवि को गहरी ठेस लगती है। वहीं आम आदमी का उससे विश्वास भी कम होता है। पिछले दस सालों में मोदी सरकार की बढ़ती लोकप्रियता और विपक्ष की घटती की साख की यही वजह है कि विपक्ष केवल सनसनी मचाने और मोदी सरकार को बदनाम करने की मंशा से आरोप लगाता है। जबकि उसके हाथ में मोदी सरकार के खिलाफ ठोस प्रमाण है ही नहीं

मोदी सरकार ने सत्ता संभालने के साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ जो जंग छेड़ी थी, अब वो गति पकड़ती दिखाई देती है। खासकर राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई सराहनीय है। पूर्व में राजनीतिक भ्रष्टाचार पर आपसी सहमति रहती थी। मंच से भले ही नेता एक दूसरे के विरोध में कड़वी बयानबाजी और विरोधी को भ्रष्टाचारी कहने के बावजूद सत्ता में आने के बाद कार्रवाई से परहेज करते थे। आजादी के बाद से राजनीतिक भ्रष्टाचार पर चुप्पी साधना एक परंपरा का हिस्सा बन चुका था। लेकिन मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कोई रियायत देने की बजाय राजनीतिक भ्रष्टाचार पर सख्त कदम उठाकर नजीर कायम की है।

2024 के आम चुनावों के ऐलान के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने यह सिद्ध कर दिया है कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र तौर पर अपना काम कर रही हैं। अगर ऐसा न होता तो जांच एजेंसी या सरकार किसी विपक्षी नेता को चुनाव के मौके पर गिरफ्तार करने का रिस्क कभी न लेती। राजनीतिक भ्रष्टाचार पर हो रही लगातार सख्त एक्शन के बाद पिछले दिनों राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया ने रैली कर मोदी सरकार पर कड़े हमले किये। रैली को संबोधित करने वाले इंडिया गठबंधन के अधिकतर नेताओं ने देश को आगाह किया कि यदि तीसरी बार भी मोदी सरकार बनी, तो देश का संविधान बदलने की शुरुआत होगी। शासन और भी एकाधिकारवादी हो जाएगा। भारत रूस बन सकता है। लोकतंत्र की आत्मा खत्म कर दी जाएगी। जिस तरह रूस पर पुतिन का राज है, उसी तरह भारत में मोदी की स्थिति होगी। यह आशंका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जताई थी।

संविधान को बदलने की बात राहुल गांधी ने की, जिन्हें किन्हीं भाजपा नेताओं ने 'ब्रीफ' किया था। यहां तक आगाह किया गया कि देश में आग लग जाएगी। इसके अलावा विपक्षी नेताओं ने रोजगार का संकट, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों का एमएसपी, जांच एजेंसियों की निरंकुशता और प्रशासन आदि के साझा मुद्दे उठाकर अपने लोकसभा चुनाव अभियान को गति दी। रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने भी अपने संबोधन में मोदी सरकार पर तीखे हमले तो किये ही वहीं देष की जनता को गारंटियों का लालीपॉप भी दिया। लोकतंत्र बचाने की आड़ में जिस तरह भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे तमाम नेता रैली के मंच पर मौजूद थे, उससे आम आदमी में यह संदेष गया कि भ्रष्टाचारियों के मन में डर है। जनता में इस बात की खुशी है कि कानून अपना काम कर रहा है। और भ्रष्टाचारी चाहे किसी पद पर बैठा हो, उसको सलाखों के पीछे एक दिन जाना ही होगा।

जिस दिन विपक्ष की रैली थी उसी दिन दिल्ली से 70 किलोमीटर दूर क्रांतिधरा मेरठ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव अभियान की शुरुआत की। मेरठ रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर चुन चुनकर हमले तो बोले ही। वहीं उन्होंने भ्रष्टाचार पर विपक्ष को घेरने का काम किया। प्रधानमंत्री ने 'भ्रष्टाचार' के मुद्दे पर चुनावी लड़ाई की चेतावनी भी कबूल की और देश से साझा किया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि जनता का जो पैसा लूटा गया है, वह उसे लौटा रहे हैं। अभी तक 17,000 करोड़ रुपए से अधिक लोगों को वापस किए जा चुके हैं, यह प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को 'मोदी की गारंटी' करार दिया और कहा कि वह विपक्ष के रुदन और चिल्लाने से घबराने वाले नहीं हैं।

विपक्ष को यह बात गांठ लेनी चाहिए और देश के राजनीतिक इतिहास से सबक लेना चाहिए कि देश में जब–जब चुनाव का मुख्य मुद्दा भ्रष्टाचार विरोधी अभियान रहा, तब–तब भ्रष्टाचार का बचाव करने वालों की हार ही हुई है। आजादी के तत्काल बाद से ही तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने शुरू हो गए थे, पर 1962 तक लोग कांग्रेस और उसके नेताओं के प्रति मोहित थे। इसलिए बहुत बातें नजरअंदाज होती रहीं। तब प्रतिपक्ष भी काफी बिखरा था। इसके बाद भी कांग्रेस जब भी सत्ता में आई, उसे 50 प्रतिशत से कम ही मत मिले। 1967 में जब गैर कांग्रेसी दलों में सीमित चुनावी एकता हुई तो देश के नौ प्रदेशों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई। यदि थोड़ी और अधिक दलीय एकता हुई होती तो केंद्र की सत्ता से भी कांग्रेस बाहर हो गई होती।

याद रहे तब चुनाव का मुख्य मुद्दा भ्रष्टाचार था। उससे पहले कांग्रेस आत्ममुग्धता की स्थिति में थी। कोई घोटाला साबित हो जाने पर भी सत्ताधारी नेता कहा करते थे कि विपक्ष में ताकत है तो चुनाव में दिखाए। जीप घोटाले में जांच कमेटी ने वीके कृष्ण मेनन को दोषी माना, फिर भी तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री ने संसद में कह दिया कि इस मामले को बंद कर दिया गया है। जब विपक्ष ने दोषी को सजा देने की मांग पर जोर दिया तो सरकार ने कहा कि इसका फैसला अगले चुनाव में हो जाएगा। इसी तरह बारी–बारी से मूंदड़ा कांड, धर्मतेजा ऋण घोटाला, प्रताप सिंह कैरों घोटाला आदि होते रहे। उस दौरान प्रतिपक्षी दल कांग्रेस सरकारों के भ्रष्टाचार के खिलाफ देश भर में अभियान चलाते रहे। मतदाताओं पर उस अभियान का असर हुआ। उन्होंने 1967 के आम चुनाव में कांग्रेस को काफी हद तक सबक सिखा दिया।

आज जिस तरह से इंडिया गठबंधन के साथ एक दूसरे के भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का काम कर रहे हैं। उससे आम जनता के बीच जो संदेश जा रहा है वो साफ है। असल में देश की जनता विपक्ष का चरित्र और चेहरा काफी हद तक पहचान चुकी है। मोदी सरकार बिना रुके और बिना डरे जिस तरह से भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी रखे हुए है वो काबिलेतारीफ है। हां, भ्रष्टाचार के मामलों में जांच और कार्रवाई में कोई पक्षपात या भेदभाव नहीं होना चाहिए। भ्रष्टाचार चाहे सरकार में बैठे व्यक्ति का हो या विपक्ष के नेता का सब पर एक तरह से कार्रवाई करके कानून का राज स्थापित होना चाहिए। इसी में देश और देशवासियों का कल्याण निहित है।—लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों के संकट

वित्त वर्ष 2023–24 के आखिरी दिन आई यह खबर कई लिहाज से परेशान करने वाली है कि मनरेगा के तहत साल भर में मुहैया कराए गए कार्य दिवसों की कुल संख्या 305.2 करोड़ तक पहुंच गई, जो महामारी से पहले (2019–20) के लेवल से 40 करोड़ ज्यादा है। इससे संकेत मिलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दिक्कत ज्यादा है, जिससे वहां मनरेगा के तहत काम की मांग बढ़ी है। लोगों को वहां अच्छे रोजगार नहीं मिल रहे।

मनरेगा ऐसी योजना है, जो देश के ग्रामीण इलाकों में अकुशल श्रमिकों के लिए आजीविका की आखिरी उम्मीद मानी जाती है। साल 2019–20 के दौरान इस योजना में लोगों की भागीदारी बारिश, मॉनसून, सूखा जैसे सामान्य मौसमी कारकों से प्रभावित हुई थी। उस साल इस योजना के तहत 265.3 करोड़ कार्यदिवस दर्ज हुए थे।

उसके बाद महामारी और लॉकडाउन के दौरान देश में शहरों से गांवों की ओर असाधारण पलायन हुआ जिसका प्रभाव मनरेगा समेत जीवन के तकरीबन हर क्षेत्र में देखा गया। मनरेगा में उस साल (2020–21) 389.9 करोड़ कार्यदिवस दर्ज हुए, जो अब तक का रेकॉर्ड है। लेकिन महामारी की लहरें शांत होने के बाद जैसे–जैसे इकॉनमी उस झटके से उबरती गई, यह उम्मीद बढ़ी कि ग्रामीण क्षेत्रों के अनस्किल्ड लेबर को विभिन्न क्षेत्रों में आजीविका मिलती जाएगी और मनरेगा पर दबाव कम होगा। लेकिन अगर अभी भी वहां यह दबाव बना हुआ है जिसका अर्थ है कि या तो लोगों को शहरों में गुणवत्ता वाले काम मिलने की उम्मीद नहीं है या वे गांव छोड़कर शहर जाना नहीं चाहते।

बढ़ता गया अंतर रु 2022–23 में भी इस योजना के तहत 293.7 करोड़ कार्यदिवस दर्ज हुए, जो 2019–20 के मुकाबले 28.4 करोड़ ज्यादा थे। यही नहीं, इस साल यानी 2023–24 में यह अंतर बढ़कर 40 करोड़ तक पहुंच गया। ध्यान रहे इस संख्या में संशोधन अपेक्षित है। इस महीने के आखिर तक अंतिम संख्या आएगी और माना जाता है कि वह इससे और ज्यादा होगी।

यह स्थिति खास तौर पर ध्यान देने लायक इस लिहाज से भी है कि इस दौरान इकॉनमी में ग्रोथ की रफ्तार अच्छी रही है। भारत आज भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। लेकिन यह वृद्धि अनस्किल्ड लेबर के सबसे कमजोर हिस्सों के लिए कोई राहत लेकर नहीं आई। अन्य क्षेत्रों से कोई बेहतर विकल्प उपलब्ध न होने की वजह से ही ग्रामीण क्षेत्रों की श्रम शक्ति इसी योजना में खपाई जा रही है।

आम चुनावों के दौरान शुरू होने वाली गतिविधियों में जरूर इस श्रम शक्ति के एक हिस्से को कुछ रोजगार मिल सकता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं होगी। इन क्षेत्रों में कुछ पैसा पहुंचने की भी उम्मीद की जा सकती है। लेकिन इसका स्वरूप अस्थायी होगा। ऐसे में तात्कालिक राहत मिल भी जाए तो उसे समस्या का हल नहीं माना जा सकता। जाहिर है, चुनावों के बाद नई सरकार को इस मोर्चे पर ठोस और टिकाऊ नतीजे देने वाले सुविचारित कदम उठाने होंगे।

प्रस्तुति— विजय

पुलिस मुठभेड़ मे अंतरराज्यीय टप्पेबाज गैंग के दो बदमाशों को लगी गोली

संवाददाता–कुशीनगर। दो दिन पहले खड्डा के आभूषण कारोबारी की बाइक से डिक्की तोड़ कर दो लाख से अधिक के जेवर पार करने वाले अंतरराज्यीय टप्पेबाज गैंग से पुलिस की मंगलवार तड़के मुठभेड़ हो गई। टप्पेबाज गैंग के दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस कस्टडी में उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों बदमाश उड़ीसा के जाजपुर के रहने वाले है। वे अलग–अलग राज्यों में घूमकर इस तरह की वारदात को अंजाम देते हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से आभूषण कारोबारी से चोरी 2 लाख से अधिक के आभूषण, दो तमंचे, कारतूस, घटना में इस्तेमाल बाइक व नकदी बरामद की है।

रविवार की देर शाम को खड्डा में एक कारोबारी की बाइक की डिक्की तोड़ कर दो लाख से अधिक के जेवर चुरा लिए गए थे। पुलिस ने सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। संदिग्ध गिरोह की तलाश में जुट गई। सर्विलांस टीम की मदद से बदमाशो की लोकेशन तलाशते हुए टीम मंगलवार को तड़के करीब 5 बजे तुर्कपट्टी क्षेत्रान्तर्गत नौतन हरदो छठ घाट कुबेरस्थान रोड के पास पहुंची थी तभी दो बदमाश बाइक पर आते दिखे। रोकने पर बदमाशो में पुलिस पर फायर झोंक दिया। पुलिस सन जवाबी फायरिंग में दोनो के पैर में गोली लगी। और दोनो घायल हो गए। यल बदमाशो की पहचान माइकल गनपत पुत्र माइकल नागेश्वर राव निवासी पूर्वाकोट थाना कोराई जनपद जाजपुर उड़ीसा और तथा शंकर प्रधान पुत्र काली प्रधान निवासी पूर्वाकोट थाना कोराई जनपद जाजपुर उड़ीसा (राज्य) के रूप में हुई है। उड़ीसा के जाजपुर जनपद का यह अन्तर्राज्यीय गिरोह बाइक से विभिन्न शहरों में जाता है। शहर व आसपास के सुनारों की आने व जाने दोनों की रेकी करता है और दुकान बंद करते या खुलते वक्त मौका पाकर सुनार की गाड़ी का डिग्गी का लॉक अपने पास रखे विशेष उपकरण के माध्यम से तोड़कर डिग्गी में रखा माल(आभूषण) या झोला निकाल कर फरार हो जाता है।

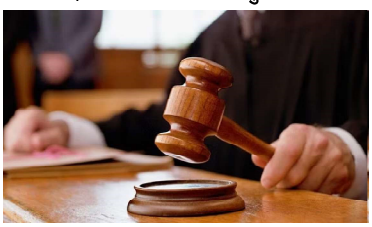

बालिका से दुष्कर्म के प्रयास में दोषी को 10 साल की सजा, 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

संवाददाता–गोण्डा। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) ने सात साल की अबोध दलित बालिका से दुष्कर्म के प्रयास में दोषी अभियुक्त को 10 साल कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। पॉक्सो एक्ट के विशेष लोक अभियोजक अशोक कुमार सिंह व सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के निवासी एक दलित व्यक्ति ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कहा कि 17 जनवरी 2021 को उसकी सात साल की बेटी को मोमबत्ती के बहाने बुलाकर विश्राम बारी उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। लोगों के आने पर वह भाग गया। केस दर्ज कर पुलिस ने विवेचना की और नाबालिग बालिका से दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट व एससी–एसटी एक्ट के अपराध का पुख्ता साक्ष्य मिलने पर आरोपी विश्राम बारी के खिलाफ न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया। ट्रायल के दौरान संदेह से परे साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने अभियुक्त विश्राम बारी को दोषसिद्ध किया। मंगलवार को इस मामले में निर्णय सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मोहम्मद नियाज अहमद अंसारी ने अभियुक्त विश्राम बारी को दुष्कर्म के प्रयास के अपराध में 10 साल कठोर कारावास और 20 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया। अदालत के आदेशानुसार अधिरोपित जुर्माने की आधी धनराशि पीड़िता अथवा उसके विधिक प्रतिनिधियों को दी जाएगी।

देश को लूटने की मंशा रखने वाले चाहते हैं भ्रष्टाचार की चर्चा तक न हो –पंकज चौधरी

संवाददाता–महराजगंज। पार्टी के निर्देश पर मंगलवार को केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने भाजपा कार्यालय पर मीडिया से बातचीत में विपक्षी दलों पर खूब बरसे। कहा कि आजकल देश में विपक्षी पार्टियों द्वारा भ्रष्टाचार को मॉडल की तरह पेश करने का फैशन चल पड़ा है। यही उनका शिष्टाचार बन गया है। मामला कोर्ट में हो तब भी इन सबको चिल्लाना है। कोर्ट में दलीलें काम नहीं आती तो बाहर में हल्ला मचाते हैं। सभी ने रामलीला मैदान में भ्रष्टाचार के भाई चारा का डेली सोप देखा है। कहा कि इंडिया गठबंधन ऐसी बारात है, जहां सब देश को लूटना चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि उनके भ्रष्टाचार की चर्चा तक न हो।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि भ्रष्टाचार हटाओ मगर इंडिया गठबंधन के नेता इसके विपरीत। कहा कि समाजवादी पार्टी अपने मूल मंत्र को ही भूल गयी। अब वह समाजवाद नहीं परिवारवाद के रास्ते पर चल रही है। अपने नाम में समाजवादी लेकर चलने वाली इस पार्टी के शीर्ष नेता को समाज और जनता की नहीं परिवार की चिंता है। इसी पार्टी के एक नेता सनातन धर्म और राम चरित मानस पर आपत्ति जनक टिप्पणियां करते रहे, किंतु सपा अध्यक्ष ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का काम है हर दिन नया झूठ बोलो, पीएम मोदी को बदनाम करो और सनातन की खिलाफत करो। घोटाला करो और जब जांच एजेंसियां नोटिस दें तो अनदेखी करो। कार्रवाई करें तो कोर्ट पहुंचो और जनता को गुमराह करो। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के हिस्सा आम आदमी पार्टी के नेता सत्येन्द्र जैन, मनीष सिसौदिया, संजय सिंह, हेमंत सोरेन को कोर्ट जमानत नहीं दे रही है। केजरीवाल कोर्ट के आदेश पर रिमांड पर हैं। लालू यादव पर कोर्ट से मामला तय हो रहा है। तो किसके खिलाफ इंडिया गठबंधन के लोग रामलीला मैदान में रैली कर रहे हैं? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए देश की 140 करोड़ जनता उनका परिवार है और मोदी अपने परिवार को भ्रष्टाचारियों से बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। यही उनकी गारंटी है।

संतोषी अखाड़ा के महंत बने सौरभ दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। पंच श्री रामानंदी संतोषी अखाड़ा निकट श्री राम हॉस्पिटल अयोध्या के महंत बने सौरभ दास। संतोषी अखाड़ा के महंत रामस्वरूप दास शिष्य वैदेही दास ने अपने एकमात्र शिष्य सौरभ दास को जो बाल्यकाल से साधू है और निरंतर आश्रम में संत कर रहे हैं उनको पंच व अयोध्या के संतो महतो के उपस्थिति में कंठी चद्दर और तिलक देकर के संतोषी अखाड़ा का सरवराहकार महंत नियुक्त किया जो निरंतर मंदिर में रहकर के ठाकुर जी के साथ गुरुदेव भगवान की सेवा करते रहेंगे। महंत रामस्वरूप दास महाराज ने बताया कि सौरभ दास बचपन से ही आश्रम में रहकर के सेवा कर रहे हैं बिना किसी जोर दबाव के उनको संतोषी अखाड़ा का महंत बना दिया गया है जिससे मेरे रहना रहने पर स्थान में कोई विवाद ना हो और मेरे सभी चल अचल संपत्ति के वह अकेले वारिस है।

नव नियुक्त महंत सौरभ दास ने बताया कि गुरुदेव भगवान के आशीर्वाद से आश्रम में नियम संयम से रहकर के ठाकुर जी की सेवा करूंगा गुरुदेव भगवान की सेवा करूंगा संत सेवा गौ सेवा सनातन वैष्णव धर्म का पालन करते हुए करता रहूंगा। मंदिर में जितने भी उत्सव मनाए जाते हैं उसका मंदिर परंपरा के अनुसार पालन करते हुए मानता रहूंगा। इस अवसर पर निर्मोही अखाड़ा के महंत दिनेन्द्र दास, हनुमानगढ़ के महंत रामकुमार दास, गद्दी नशीन महंत प्रेमदास महाराज के शिष्य महंत डॉ महेश दास, हनुमानगढ़ के मुख्य पुजारी रमेश दास, महंत राजेश पहलवान सहित उपस्थित सभी संतो महंतों ने सौरभ दास को तिलक लगाकर संतोषी अखाड़ा के नए दायित्व को सौंपा।

थाने की जमीन कब्जा कर मजार बनाने के मामले में पूर्व विधायक का भाई गिरफ्तार, कार्रवाई तेज

संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर के सादुल्लाहनगर थाने की जमीन को कब्जा करने के मामले पुलिस पूर्व विधायक भू– माफिया आरिफ अनवर हाशमी के भाई मारूफ अनवर हाशमी को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व विधायक ने मारूफ को ही थाना परिसर में मजार बनाकर मुतवल्ली बनाया था। पुलिस की गिरफ्त से पूर्व विधायक अभी बचा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों ने अभियान तेज कर दिया है। प्रभारी निरीक्षक बृजनंदन सिंह ने बताया कि पूर्व विधायक की तलाश तेज कर दी गई है।

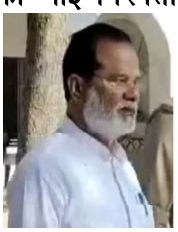

सादुल्लाह नगर थाने की जमीन में मजार बनाने का मामला उजागर होने पर स्थानीय लेखपाल ने सोमवार को पूर्व विधायक के साथ ही उनके भाई, परिजनों और समिति के सदस्यों के विरूद्व गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था। एफआईआर के बाद आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस ने सघन अभियान चलाया। अपर पुलिस अधीक्षक नम्रता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोप गंभीर है। थाने की भूमि पर कब्जा करके आम जनमानस में भय का माहौल बनाने का प्रयास किया गया था। मामले के सभी आरोपियों की तलाश हो रही है। पूर्व विधायक के भाई को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई है। इसके बाद न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। समिति के सदस्यों को सूचीबद्व किया जा रहा है, इसके साथ परिजनों की रिपोर्ट तैयार की गई है। सभी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम सक्रिय है। सादुल्लाहनगर थाने के प्रभारी निरीक्षक बृजानन्द सिंह के साथ उपनिरीक्षक कमलेश कुमार यादव, पुलिस कर्मी कैलाश यादव, अंगद यादव, शैलेश यादव, पवन मौर्या, वाज्या लक्ष्मी, अंजली देवी की टीम मामले के आरोपियों की गिरफ्तारी में लगी है। पूर्व विधायक के भाई की गिरफ्तारी के बाद अब अन्य के लिए टीमों ने पड़ताल शुरू कर दिया है। संभावित ठिकानों पर पूर्व विधायक के साथ ही अन्य की तलाश हो रही है। पुलिस का कहना है कि पूर्व विधायक आरिफ अनवर हाशमी को प्रशासन ने पहले ही भू– माफिया घोषित कर रखा है।

सरहद पर कपड़े बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। सशस्त्र सीमा बल 66वीं वाहिनी के बीओपी खनुआ और हरदीडाली के जवानों ने भारत–नेपाल सीमा के पिलर संख्या 522 और 524/08 के पास से कपड़े के साथ दो आरोपियों का पकड़ लिया। आरोपियों को सामान के साथ कस्टम को सौंप दिया। डिप्टी कमांडेंट अभिनव कुमार सिंह ने बताया कि हरदीडाली बीओपी के जवान मंगलवार की सुबह 9.30 बजे गश्त पर निकले थे। भारत–नेपाल सीमा के पिलर संख्या 524/08 के पास भारतीय सीमा क्षेत्र की तरफ से एक युवक नेपाली नंबर प्लेट की बाइक पर बोरा लेकर नेपाल जाने की फिराक में था। बोरा से 12 पीस लेडिज सूट, 16 थान कपड़ा, एक नेपाली नंबर प्लेट की बाइक बरामद हुई। आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम राजकुमार चाई निवासी गोनहा वार्ड नं 4 थाना मझगांवा जिला रुपनदेही नेपाल बताया। 9.45 बजे खनुआ बीओपी के जवान गश्त के दौरान भारत–नेपाल सीमा के पिलर संख्या 522/03 के पास कुछ लोग बाइक और साइकिल पर बोरा लेकर नेपाल जाने की फिराक में थे। जवानों को देखते ही तस्कर सामान छोड़कर भागने लगे जवानों ने दौड़ाया तो एक आरोपी पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम जय बहादुर अय्यर निवासी सिसवनिया वार्ड नंबर 5 कंचनपुर जिला रुपनदेही नेपाल बताया। 18 बोरी चीनी, एक बाइक और एक साइकिल बरामद हुई। हरदीडाली और खनुआ बीओपी से 18 बोरी चीनी, लेडिज शूट 12 पीस, कपड़ा 16 थान, दो नेपाली नंबर प्लेट की बाइक बरामद हुई।

इंडी गठबंधन भ्रष्टाचारियों का समूह –शलभमणि

संवाददाता–देवरिया। सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि इंडी गठबंधन पूरी तरह से भ्रष्टाचारियों का समूह है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है और उन्हें तिहाड़ जेल भेजा गया है। इससे साबित होता है कि आम आदमी पार्टी व उसके नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को इंडी गठबंधन द्वारा शक्ति प्रदर्शन करने का प्रयास किया गया है। जिसमें भ्रष्टाचारियों का समूह नजर आया है। इससे देश की जनता हतप्रभ है।

यह बातें सदर विधायक डॉ. त्रिपाठी ने शहर के भटवालिया चौराहे के निकट स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में पकड़े जाने पर गठबंधन द्वारा पूरे मामले को राजनीतिक रूप देने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले के मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेताओं को क्यों नहीं जमानत मिल रही है जबकि न्यायपालिका सर्वोपरि है। इंडी गठबंधन पूरी तरह स्वार्थ का गठबंधन है। बिहार में बंगाल में गठबंधन अलग–अलग राग अलाप रहा है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंका है इससे गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी सहित अन्य दलों में बौखलाहट है।

उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं लेने की उनकी बात सिर्फ दिखावा रही है। उन्होंने कहा कि देश की जनता गठबंधन में शामिल दलों के भ्रष्टाचार को अच्छी तरह जान चुकी है। 2024 का लोकसभा चुनाव ईमानदार सरकार बनाम भ्रष्टाचारियों से मुकाबले का है। इस दौरान क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी बच्चा पांडेय व जिला मीडिया प्रभारी दिवाकर तिवारी मौजूद रहे।

योगी महेश दास द्वारा अनवरत 11 दिवसीय कपालभाति प्राणायाम करने का हुआ शुभारंभ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या । सिद्धपीठ श्री हनुमानमगही बसंतिया पध्ट्टी अयोध्या के संत महेश दास उर्फ स्वामी महेश योगी ने योग, कला व साहित्य में अनेकों विश्व रिकार्ड बना कर भारत का गौरव बढ़ाया है। उसी क्रम में अब श्री योगी ने योग में अबतक का सबसे बड़ा विश्व कीर्तिमान स्थापित करने हेतु अनवरत 11 दिवस तक रात दिन कालभाति प्राणायाम करने जा रहे हैं। वे इस आयोजन के तहत लगातार 2100000 (इक्कीस लाख) स्ट्रोक कपालमाति करने का विश्व रिकॉर्ड बनायेंगे। यह आयोजन 5 सितंबर 2024 को दिल्ली में होना सुनिश्चित है। किन्तु 11 दिवस की इस कपालभाति संकल्प साधना को निर्विघ्न पूर्वक पूर्ण करने हेतु स्वामी महेश योगी 2 अप्रैल 2024 दिन मंगल चार से अपने निज आश्रम गोविंदगढ़ हनुमानगध्ढ़ी में 6 माह तक अन्न त्यागकर प्रतिदिन 11 घंटे कपालभाति की साधना करेंगे।

22 नवंबर 2022 को सिद्धपीठ हनुमानगढ़ी में अयोध्या के वरिष्ठ संत जनों की उपस्थिति में स्वामी महेश योगी ने हनुमानजी का आशिर्वाद लेकर 14 वर्ष के अंतराल में भारत के चारों दिशाओं में चार दिव्य योग धाम की स्थापना का संकल्प लिया था, इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए महेश योगी ने अपने पूज्य गुरुदेव भगवान स्वर्गीय संतोष दास की सहमति से 14 वर्षीय यात्रा को सफल आयाम तक ले जाने हेतु पांच संकल्प लिए थे जिसमें से एक 11 दिवस अनवरत कपालभाति करने का भी रहा। उनकी हार्दिक इच्छा थी कि यह साधना महेश योगी श्री हनुमानगढ़ी गर्भगृह में हनुमान जी के दर्शनोंप्रांत आरंभ करें किसकी तिथि भी उन्होंने मार्च माह में नियत की थी, किंतु आज उनकी ना मौजूदगी में स्वामी महेश योगी अपने निज आश्रम गोविंदगढ़ हनुमानगढ़ी में इस साधना को आरंभ कर रहे हैं।

योग व कपालभाति में साधना करना व रिकॉर्ड बनाना स्वामी महेश योगी के लिए यह पहला वाक्या नहीं है इसके पहले भी इन्होंने 2018 में सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज में 13 घंटे कपालभाति करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया तत्पश्चात सन् 2018 में योग गुरु स्वामी रामदेव व राजस्थान की तत्कालीन मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे के संयोजन में 23 घंटे 10 मिनट कपालभाति करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया तथा 2019 में ही मेवाड़ इंस्टीट्यूशन गाजियाबाद में महेश योगी ने पुनः 51 घंटे 10 मिनट तक कपालभाति करने का विश्व कीर्तिमान स्थापितकर पुरी दुनिया को चौंका दिया। इस विशिष्ठ उपलब्धि के लिए योगगुरु स्वामी रामदेव , श्री श्री रविशंकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाय, मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे व भारत के अन्य विशेष जनों ने महेश योगी को शुभकामनाएं प्रेषित कर बढ़ाई दी। इसके अतिरिक्त महेश योगी ने गुजरात सरकार के निर्देशन में 51 घंटे अनवरत योग मैरायन, अंबेडकर नगर में अनवरत 76 घण्टे योग मैराथन तथा 2019 में महाराष्ट्र सरकार के निर्देशन में सवा घंटे शीर्षासन में कपालभाति करने का रिकॉर्ड तथा राजस्थान मेवाड़ में 1 मिनट में 21 बार सूर्य नमस्कार करने का विश्व रिकॉर्ड बना चुके हैं। इसके अतिरिक्त चित्रकला के क्षेत्र में 11000 चित्रों का सृजन करने व भारत के महान मनीषियों की सबसे बड़ी व्यक्ति चित्र श्रृंखला बनाने का विश्व रिकॉर्ड व साहित्य के क्षेत्र में दिव्य भारत गौरव ग्रंथ लिखने व भारत ऋषि ज्ञान एनसाइक्लोपीडिया लिखने का विश्व कीर्तिमान बना चुके हैं।

सन 2022 में दिव्य भारत निर्माण यात्रा आरंभ करते समय से ही स्वामी महेश योगी ने 14 वर्ष के लिए चरण पादुका का त्याग व एक वस्त्र धारण करने का संकल्प लिया था जिसका अनुपालन वे करते आ रहे हैं।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे दो जुआरी पकड़े गए

संवाददाता–श्रावस्ती। आचार संहिता को लेकर पुलिस छोटे बड़े सभी अपराधियों पर नजर रख रही है। मंगलवार को पुलिस ने क्षेत्र भ्रमण के दौरान सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे दो जुआरियों को गिरफ्तार किया। साथ ही मौके से पुलिस ने ताश के पत्ते व रुपये जब्त कर लिए। इकौना थाने के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान उन्हें इकौना के मोहल्ला मुक्ति धाम स्थित पानी टंकी के पास सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जुआ खेल रहे दो जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। जिनकी पहचान रग्घु पुत्र चिंताराम निवासी आजाद नगर कस्बा इकौना व सतीश सोनी पुत्र महेश चंद्र सोनी उर्फ छेदीलाल निवासी अम्बेडकर नगर थाना इकौना के रूप में हुई। पुलिस ने मौके से मालफड़ से तीन हजार रुपये, जामा तलाशी से 2360 रुपये समेत कुल 53 सौ 60 रुपये बरामद कर जब्त कर लिया। आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

अज्ञात कारणों से लगी आग, चार फूस घर जलकर खाक

संवाददाता–बलरामपुर। विकास खंड हर्रैया सतघरवा के मजगवां गांव में मंगलवार सुबह लगभग आठ बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से चार फूस के मकान जलकर राख हो गए। जिसमें लोगों के गृहस्थी का पूरा सामान जलकर राख हो गया। काफी प्रयास के बाद ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया। गांव निवासी दद्दू वर्मा के घर से उठी चिंगारी से उदय प्रताप, अशोक कुमार व रामनाथ का फूस मकान जलकर राख हो गया। गृहस्वामी परिवार समेत खेत में मसूर काटने चले गये थे। पड़ोसियों के कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। रोहित कुमार तिवारी, मनोज कुमार, अतुल कुमार, छोटकऊ, संतराम आदि लोगों ने बताया कि गर्मी शुरू होते ही अग्निकांड की घटना बढ़ने लगती है। बावजूद विकास खंड स्तर पर अग्निशमन विभाग का कार्यालय नहीं बनाया गया। इस संबंध में हल्का लेखपाल ने बताया कि क्षति का ऑकलन कर रिपोर्ट एसडीएम को भेजी जायेगी।

नए सत्र के पहले दिन कम रही बच्चों की उपस्थिति, किताबें भी नहीं

संवाददाता–श्रावस्ती। एक अप्रैल से स्कूलों का शैक्षिक सत्र शुरू हो गया है। पहले दिन स्कूलों में छात्र उत्साह पूर्वक पहुंचे। वहीं अध्यापकों ने भी बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। लेकिन बच्चों को किताबें नहीं मिलीं और पहले दिन उपस्थिति भी कम रही। प्राथमिक विद्यालय कन्या कटरा में 197 के सापेक्ष सिर्फ 117 छात्र–छात्राएं ही पढ़ने को पहुंचे। अध्यापकों ने बताया कि छात्रों के घर जाकर अभिभावकों से उन्हें पढ़ने के लिए भेजने को प्रेरित किया। परंतु पहले दिन छात्रों की उपस्थिति कम रही है। इसी तरह से उच्य प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलरिहा में शैक्षिक सत्र शुरू किया गया। पंजीकृत 275 के सापेक्ष 170 ही बच्चे विद्यालय पहुंचे। जबकि शनिवार को शिक्षकों ने गांवों में छात्रों के अभिभावक से संपर्क कर उन्हें स्कूल भेजने को कह दिया गया था। फिर भी पहले दिन स्कूल में कम बच्चे आए। कंपोजिट विद्यालय बिदुहनी 416 छात्र–छात्राए पंजीकृत हैं, लेकिन पहला दिन होने के कारण 262 छात्र ही पढ़ाई के लिए विद्यालय में आए है। प्राथमिक विद्यालय गुलरिहा में 95 छात्र–छात्राएं हैं जिसमें से 63 छात्र–छात्राएं पढ़ाई के लिए आए हैं। बच्चों को किताबें नहीं मिलीं। इसी तरह से प्राथमिक विद्यालय बंजरही में पंजीकृत 129 छात्र–छात्राओं के सापेक्ष में 112 छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। प्राथमिक विद्यालय बल्दीडीह में 57 बच्चे पंजीकृत हैं। जिसमे 42 छात्र उपस्थित रहे। नए सत्र की किताबें नहीं मिली बच्चे पुराने किताब से पढ़ाई कर रहे थे। प्रभारी प्रधानाध्यापक आलोक कुमार, सहायक अध्यापक दीपक गुप्ता, शिक्षा मित्र दमयंती देवी मौजूद रहीं। प्राथमिक विद्यालय साहियापुर में 120 छात्र पंजीकृत है जिसमें 87 छात्र उपस्थित मिले विद्यालय मे नए सत्र की किताबें नही पहुंची बच्चे पुरानी किताब से पढ़ते दिखाई दिए। स्थान प्राथमिक विद्यालय बनघुसरी में किताबें नहीं बंटी हैं। वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय जानकीनगर कला में कुल 37 छात्र पंजीकृत है जिसमें 28 छात्र उपस्थित रहे।

मेधावी छात्र–छात्राओं को किया सम्मानित

संवाददाता–गोण्डा। कंपोजिट विद्यालय सोनबरसा में मंगलवार को बच्चों का विदाई समारोह आयोजन किया गया। साथ ही विद्यालय में कक्षा एक से आठवीं तक के मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। छात्र–छात्राओं को परीक्षाफल अर्थात अंकपत्र वितरण के साथ ही पुरस्कार स्वरूप थाली, कॉपी आदि भेंट किया गया।

समारोह में प्रतिभावान रहे सभी बच्चों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। परीक्षाफल के क्रम में निधि, अंजनी, संध्या वर्मा, अंशिका, चांदनी यादव, ताज मोहम्मद, अमन कुमार अपनी–अपनी कक्षा में प्रथम रहे। इसी प्रकार आकृति, भूमिका मौर्य, मोहम्मद शोएब, ज्योति, लक्ष्मी भारती, अंजनी पासवान,रिया शर्मा, लक्ष्मी कनौजिया ,खुशनज बानो ने अपनी कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि विजय चौहान, स्पेशल एजुकेटर, रामसुख वर्मा, शिक्षकों में बलजीत सिंह कनौजिया, शताब्दी वर्मा, अरुण कुमार सिंह, सुरेश कुमार, देवेंद्र प्रताप, अमर ज्योति, चित्रावती मौर्य, अनुराधा मिश्रा व पूनम यादव उपस्थित रहीं।

देशभक्ति माहौल में बांटा गया अंकपत्ररू खोरहंसा संवाददाता के मुताबिक प्राथमिक विद्यालय अचलपुर में कक्षा पांच के छात्रों के अंकपत्र वितरण के मौके पर समारोह का आयोजित किया गया। देश भक्ति गीतों के साथ रंगारंग विदाई समारोह हुआ। रेनू सिंह ने सभी बच्चों का तिलक लगा कर आरती उतारी। नये बच्चों को कापी पेंसिल देकर उनका उत्साह बढ़ाया। प्रधानाध्यापक शम्भूदत्त त्रिपाठी,राम रंग, विनय कुमार, आदर्श, तौफीक, राम सुन्दर, रोहित, गयादीन रहे ।

घायल को भर्ती करने के बजाय नकदी व मोबाइल छीना

संवाददाता–बहराइच। छह दिन पूर्व शाम को बाइक से गांव से शहर आते समय अधिवक्ता रास्ते में सड़क के किनारे बाइक खड़ी कर लघु शंका कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से वह घायल होकर गिर पड़े। टक्कर मारने वाले बाइक सवार दो लोग रुके, घायल को अस्पताल पहुंचाने के बजाय उसकी जेब से मोबाइल व नकदी निकालकर भाग गए। पीछे से आ रहे उनके भाई व चचेरे भाई ने घायल को एक निजी क्लीनिक मे भर्ती कराया। बार एसोसिएशन के हस्तक्षेप पर काफी जद्दोजहद के बाद एफआईआर तो दर्ज हुई, किन्तु लूट की धारा नहीं लगाई गई। घायल का अभी इलाज चल रहा है। दरगाह थाने के अहिरौरा के मजरे ललगढ़ा निवासी अनिल कुमार चौधरी पुत्र हरिश्चंद्र दीवानी कचहरी में अधिवक्ता है। गुरुवार शाम लगभग छह बजे वह बाइक से घर से शहर स्थित मकान को चले। रास्ते में गोंडा हाईवे पर तुलस्यान पेट्रोल पम्प के पास सड़क के किनारे बाइक खड़ी कर पटरी के किनारे लघु शंका कर बाइक के पास खड़े होकर मोबाइल पर बातचीत कर रहे थे। तभी बहराइच की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने गलत दिशा में आकर अधिवक्ता अनिल कुमार चौधरी को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल होकर गिरे और बेहोश हो गए। बाइक से टक्कर मारने वाले रुके। उनकी जेब से 25 हजार नकदी व 29 हजार कीमत का मोबाइल निकाल कर भाग गए। अधिवक्ता के पीछे बाइक से बड़े भाई सुरेन्द्र कुमार चौधरी अपने चचेरे भाई के साथ आ रहे थे। उन्होंने हादसे की वारदात देखी। जब तक वह घायल के पास पहुंचे, तब तक टक्कर मारने वाले भाग चुके थे। घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। घायल को भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। पीड़ित ने कोतवाली में नामजद तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। बार एसोसिएशन के हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने दुर्घटना की धाराओं में केस दर्ज किया, किन्तु उसमें मोबाइल व नकदी लूट की धाराएं नहीं लगाया। अभी तक विवेचक ने पीड़ित का बयान भी दर्ज नहीं किया है। पुलिस के जरिए कागज भेजा है कि उस पर दस्तखत कर कोतवाली में भेज दें। पीड़ित ने घटनास्थल के सीसीटीवी कैमरे को खंगालने को कहा, तो विवेचक ने बताया कि कैमरे खराब हैं।

क्रय केंद्र पर गेहूं किसान का किया सम्मान

संवाददाता–गोण्डा। क्रय विक्रय समिति बड़ागांव द्वारा संचालित गेहूं क्रय केंद्र रुकमंगदपुर में मंगलवार को गेहूं बेचने आए किसन को डिप्टी आरएमओ प्रज्ञा मिश्रा ने फूल माला पहनकर उनका स्वागत करते हुए उत्साहवर्धन किया। विकासखंड रुपईडीह के ग्राम पंचायत रूकमंगदपुर में पीसीयू क्रय विक्रय समिति बड़गांव द्वारा संचालित केंद्र पर गेहूं बेचने के लिए आए किसान हजूरी प्रसाद को डिप्टी आरएमओ प्रज्ञा मिश्रा ने फूलमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। कहा कि क्षेत्र के सभी किसानों को अपना गेहूं क्रय केंद्र पर ही बेचना चाहिए। केंद्र प्रभारी शिवपाल तिवारी ने किसान हजूरी प्रसाद का 30 कुंतल गेहूं की खरीद करते हुए भुगतान किया। इसमें पीसीयू जिला प्रबंधक जितेंद्र कुमार वर्मा, एडीओ सहकारिता सुधीर सिंह,ग्राम प्रधान रमेश चौरसिया, सर्वेश कुमार, कुलदीप, हरीश तिवारी, प्रदीप मिश्रा, रमाशंकर तिवारी, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बूथों पर मतदान के लिए जरूरी सुविधाओं को अनिवार्य रूप से पूरा कराएं

संवाददाता–संतकबीरनगर। मेंहदावल ब्लाक संसाधन केंद्र समागार में परिषदीय विद्यालयों के नोडल शिक्षक संकुलों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें बीईओ ज्ञानचंद्र मिश्र ने लोकसभा चुनाव के लिए बनाए गए बूथों पर मतदान के लिए जरूरी सुविधाओं को अनिवार्य से पूरा कराने का निर्देश दिया। विभागीय कार्यों को समय से पूरा करें। बैठक को सम्बोधित करते हुए बीईओ श्री मिश्र ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तैयारियां बेहद अहम हैं। इसके लिए जरूरी है कि बूथों पर मतदान के लिए जरूरी सुविधाओं को अनिवार्य से पूरा कर लिया जाए। बिजली आपूर्ति, शौचालयों और मल्टीपल हैंडवाश यूनिटों पर नल जल आपूर्ति की व्यवस्था दुरुस्त रहनी चाहिए। साथ ही बूथों के जंगलों की खिड़कियों के दरवाजे, कमरे का दरवाजा, फर्श, रैंप और रेलिंग पूरी तरह ठीक करवा लें। इसमें कुछ भी कमी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निपुण भारत मिशन सेंटर पोर्टल पर रेड जोन विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा किया। यू–डायस पोर्टल पर शत–प्रतिशत विद्यार्थियों का डाटा फीडिंग पूरा करने को कहा। बीईओ ने समेकित शिक्षा, टाइम एंड मोशन आदेश अनुपालन, शैक्षिक दीक्षा ऐप पर रोल सबरोल मैपिंग, सभी पंजिकाओं का डिजिटाइजेशन, आधार से वंचित छात्रों का आधार बनवाने, अभिभावक शिक्षक बैठक, निपुण रिजल्ट वितरण, टीचर पकेट बुक के उपयोग, स्मार्ट क्लास की स्थापना व संचालन, समेत छात्र उपस्थिति आदि विषयों पर बिंदुवार समीक्षा किया। प्रधान शिक्षकों से उन्होंने ब्लाक को निपुण बनाने के लिए टीम वर्क की भावना से काम करने के लिए प्रेरित किया।

सम्मिलित होने वाला सफाई कर्मचारी निलंबित

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आचार संहिता लागू होने के बाद भी भाजपा के कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर सफाई कर्मी को डीपीआरओ ने सस्पेंड कर दिया है। सफाई कर्मचारी महेश कुमार टांडा विकासखंड के प्यारेपुर में तैनात है। टांडा विधानसभा क्षेत्र के बलया जगदीशपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दो दिन पूर्व महेश कुमार सम्मिलित हो गया था। और बाकायदा उसने बीजेपी का फटका पहन लिया। सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल होने के बाद अब उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सफाई कर्मी को सस्पेंड करते हुए टांडा विकासखंड कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा है कि कर्मचारियों का किसी दल के प्रचार प्रसार में सम्मिलित होना कर्मचारी आचरण नियमावली के विपरीत है। इससे पहले डीपीआरओ ऑफिस के एक बाबू सुनील वर्मा का भाजपा के कार्यक्रम में सम्मिलित होने का फोटो वायरल होने के बाद उन्हें सस्पेंड कर दिया गया था।

जल्द शुरू करें सीसी सड़क एवं नाला निर्माण

संवाददाता–गोरखपुर। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगवाल ने मंगलवार की सुबह 7 बजे गोपालपुर शिवमंदिर के पास निर्माणाधीन सड़क एवं नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाला पर बनाए गए रैम्प को तोड़ने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त संग, मुख्य अभियंता संजय चौहान, अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव, अधिशासी अभियंता अशोक कुमार भाटी, सहायक अभियंता एनडी पांडेय, सफाई निरीक्षक सुनील कुमार तिवारी समेत अन्य उपस्थित थे। नगर निगम गोरखपुर द्वारा गोपालपुर शिवमंदिर रोड पर बारिश के दौरान होने वाले जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए वार्ड संख्या 19 गोपालपुर एवं वार्ड नंबर 56 रघुपति सहाय फिराक नगर में लखनऊ हाइवे चंपारण मीट हाउस से शिव मंदिर गोपालपुर मुख्य मार्ग होते हुए सीताराम चौक तक कुल 800 मीटर सीसी सड़क एवं 870 मीटर नाला का निर्माण किया जाना है। नगर आयुक्त ने पूरे निर्माणाधीन नाला कार्य का पैदल निरीक्षण कर सड़क के दोनो तरफ एंड टू एंड नाला निर्माण कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि 2 या 3 जगह पर एक साथ निर्माण कार्य शुरू कराएं। कई लोगों द्वारा नाला पर बढ़ कर रैंप या बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया जिसे तोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता को निर्देशित किया कि ऐसे घरों को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाया जाए। उसके बाद नाला निर्माण का कार्य शुरू करें। बारिश सीजन शुरू होने के पूर्व नाला निर्माण का कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया।

परिवहन विभाग ने शुरू की चुनाव की तैयारी

संवाददाता–संतकबीरनगर। लोकसभा चुनाव के लिए परिवहन विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। जिले में 846 हल्के–भारी वाहनों को विभाग अधिग्रहीत कर रहा है। इसके लिए पुलिस व परिवहन विभाग वाहन स्वामियों को नोटिस उपलब्ध करवा रहा है। ताकि समय से वाहन स्वामी चुनाव में अपने वाहन को जिला प्रशासन को उपलब्ध करवा दें। लोकसभा चुनाव में जिले में कुल 342 भारी वाहन व 504 हल्के वाहन लगाये जाएंगे। वैसे प्रशासन ने परिवाहन विभाग से अब तक 846 वाहनों की मांग की है। जिस पर विभाग तैयारी कर रहा है। अब वाहनों को आरटीओ विभाग से नोटिस भेजी जा रही है। इन वाहनों में ट्रक, बस, जीप, कार, टैक्सी, ट्रक व अन्य प्रकार के वाहन लगाये जाएंगे। वहीं कामर्शियल व प्राइवेट वाहनों को भी इस बार नोटिस दी जा रही है। वहीं पुलिस विभाग भी वाहन स्वमियों को नोटिस दे रहा है। एआरटीओ प्रशासन प्रियंवदा सिंह ने बताया कि इस बार जिन वाहन स्वामियों को नोटिस दी जा रही उन्हें हर हाल में वाहन को चुनाव में लगाना होगा। बहानेबाजी नहीं चलने पाएगी। यदि निर्धारित समय पर वाहन नहीं आते हैं तो वाहन स्वामी पर कार्रवाई के साथ वाहन पर जुर्माना भी लगेगा।

मित्रता करो तो भगवान श्रीकृष्ण सुदामा जैसे करो –राघवाचार्य जी महाराज

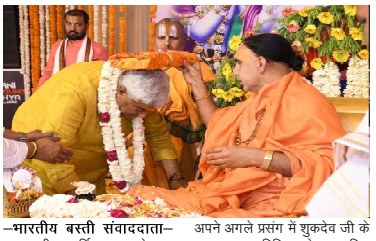

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी परिसर बस्ती में आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवे दिन कथावाचक स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज ने श्री सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष, शुकदेव विदाई एवं व्यास पूजन कथा का वर्णन किया। कथावाचक ने कहा कि मित्रता करो तो भगवान श्री कृष्ण सुदामा जैसे करो। क्योंकि सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र की परेशानी को समझे और बिना बताये ही मदद कर दे। परन्तु आजकल तो स्वार्थ की मित्रता रह गई है। भागवताचार्य ने अपने अगले प्रसंग में शुकदेव जी के द्वारा राजा परिक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाते है जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल जाता है। मुनि के श्राप का निर्धारित समय आने पर तक्षक राज परिक्षित को डस लेता है जिससे उनकी मृत्यु होती है लेकिन राजा परिक्षित भागवत कथा के प्रभाव से परमधाम को जाते है। मुख्य यजमान धीरेंद्र शुक्ला व बागेश्वरी शुक्ला रही। चंद्र भूषण मिश्रा, सतप्रकाश त्रिपाठी, विनय शुक्ल, डॉ राजन शुक्ला, अशोक कुमार पांडेय, प्रिंस शुक्ल, नरेंद्र सिंह मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। प्राथमिक विद्यालय करचोलिया कप्तानगंज बस्ती में शैक्षणिक वार्षिकोत्सव, क्लास प्रथम स्मार्ट क्लास उद्घाटन, कक्षा पांच के बच्चों की विदाई,प्रवेश उत्सव,अंक पत्र वितरण, आधुनिक पुस्तकालय से संबंधित भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साथ 46 तक का पहाड़ा, 28 राज्य व राजधानियों के नाम,18मंडल 75जिलों के नाम बताए। पहली कक्षा की शिवानी 20 तक, एंजल ने 12 तक का पहाड़ा, क्लास 3 की मानसी द्वारा 32तक का पहाड़ा व 18मंडलो का नाम सुनाये जाने पर बीएसए द्वारा 1000 रुपये का पुरस्कार दिया गया। संस्कृति कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारत दर्शन दुर्गा स्तुति नृत्य,वृद्धा आश्रम नाटक,रानी लक्ष्मीबाई, जलवा जलवा,हमारे राम आये है जैसे कार्यक्रमों को करके जनता का मन मोह लिया 11नए बच्चों का नामांकन किया गया जिन्हें बैग,कॉपी किताब व पेंसिल विद्यालय परिवार की तरफ से दिया गया साथ में क्लास में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाने वाले बच्चों को मिल्टन की बोतल व क्लास 5 के बच्चों को टिफिन देकर उनकी विदाई की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण धूप दीप दिखा कर कार्यक्रम का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभात कुमार श्रीवास्तव , कैलाश नाथ दूबे इंडियन पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह, हाईवे देवदूत वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद ओझा ,सुधीर तिवारी ,प्रधान प्रतिनिधि पिन्टू सोनकर के द्वारा किया गया।

सभी अतिथियों को माल्यार्पण ,बैच लगाकर व रामनामी पट्ट ओढाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन विद्यालय परिवार द्वारा किया। कार्यक्रम को एसआरजी अंगद मिश्रा ,एआरपी प्रदीप जायसवाल ,प्रधान प्रतिनिधि बुद्धि सागर दूबे ,शिव प्रकाश सिंह, प्रमोद ओझा ,प्रमोद तिवारी ,राम गोपाल पाठक ,चंद्रमोहन यादव ,मंगला मौर्या ,बाल मुकुंद के साथ बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

रामनवमी की तैयारीः भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा लिए ड्रोन से होगी निगरानी, बदली गई दुकानों की व्यवस्था

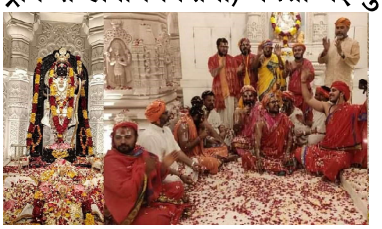

संवाददाता–अयोध्या। रामनवमी मेला में सफाई व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को बेहतर करने में ड्रोन की मदद ली जाएगी। इसके माध्यम से इंतजामों को सुव्यवस्थित करने के साथ निगरानी भी की जाएगी। यह निर्णय प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात की ओर से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुई समीक्षा बैठक में किया गया। बैठक में प्रमुख सचिव ने कहा कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार रामनवमी मेला होने जा रहा है। ऐसे में इसमें देश–विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसलिए सभी इंतजामों को बेहतर बनाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जानी है। खुद कमिश्नर, डीएम और नगर आयुक्त निरंतर मॉनीटरिंग करेंगे। सफाई, पेयजल, प्रकाश और भीड़ प्रबंधन पर विशेष फोकस करना है।

बैठक में नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने बताया कि नगर विकास विभाग की ओर से मेला क्षेत्र के मार्गों की पटाई और मरम्मत के साथ प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है। कई स्थानों पर रामभक्तों के लिए पेयजल के इंतजाम किए जाएंगे। इसके लिए वाटर टैंकर भी मौजूद रहेंगे। वाटर क्लोरीनाइजेशन कराया जा रहा है। खराब हैंडपंप व नलकूपों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत करवाई जा रही है। मेला क्षेत्र के सभी सुलभ शौचालयों की निरंतर सफाई के प्रबंध किए गए हैं। इसके लिए 24 घंटे शिफ्टों में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। बैठक में डीएम नितीश कुमार भी मौजूद रहे। रामनवमी मेला के दौरान राम मंदिर कॉरिडोर के रामपथ, भक्तिपथ और धर्मपथ पर ठेले, खोमचे या अस्थायी दुकानें नहीं लगाई जा सकेंगी। जन्मभूमि पथ पर वैसे भी पटरी कारोबार करने की गुंजाइश नहीं है। इस तरह कॉरिडोर के चारों पथ किसी भी तरह के अतिक्रमण से पूरी तरह मुक्त रखे जाएंगे।

नगर निगम के प्रवर्तन दल ने मेला शुरू होने से पहले ही अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। इस बार अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाने के साथ फिर से ऐसा न होने पाए, इसके भी इंतजाम किए गए हैं। इसलिए 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था प्रभावी की गई है। प्रवर्तन दल की एक टीम को यह जिम्मेदारी दी गई है। यह टीम निरंतर भ्रमणशील रहेगी।

अपर नगर आयुक्त सुमीत कुमार ने बताया कि रामनवमी मेला के दौरान देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होगा। ऐसे में सुचारु आवागमन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। खासतौर पर पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ और पटरियों को खाली रखना है। इसीलिए अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। जहां से ठेल, खोमचे और अस्थायी दुकानें हटवाई जा रही हैं, वहां दोबारा नहीं लगने दी जाएंगी। इसके लिए पुलिस की भी मदद ली जा रही है।

बीडीओ से समन्वय स्थापित कर बूथों की खामियां ठीक करा लें

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम पवन अग्रवाल ने अफसरों संग बैठक कर निर्वाचन से संबंधित 16 विन्दुओं की समीक्षा की। डीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि संबंधित बीडीओ से समन्वय स्थापित कर बूथों पर जो खामियां हैं उन्हें समय से ठीक करा लें। उन्होंने निर्देशित किया कि पोलिंग बूथों पर पोलिंग पार्टियों के जाने के लिए जो वाहन दिया जाएगा मतदान कार्मिकध्सेक्टर मजिस्ट्रेट उसी वाहन से बूथ पर जाएंगे। मतदान कार्मिक ईवीएम मशीन अपने साथ ही सुरक्षित रखेंगे। सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्देश दिया कि किसी भी प्राइवेट स्थान पर नहीं बल्कि पोलिंग बूथ पर ही रुकेंगे।

चिलुआताल पुलिस ने लोन फ्राड को किया गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। जंगल कौड़िया स्थित यूपी बड़ौदा बैंक शाखा में फर्जी दस्तावेज लगा कर कूटरचित तरीके से लोन फ्राड करने के मामले में पुलिस ने आरोपित रामकेवल को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। लोन की किस्त न जमा करने पर बैंक मैनेजर की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। यूपी बड़ौदा बैंक शाखा कौड़िया के बैंक मैनेजर शिशिर सौरभ ने चिलुआताल थाने में तहरीर देकर बताया था कि चिलुआताल थाना क्षेत्र के दहला मैना बागल निवासी रामकेवल ने बैंक शाखा में कूटरचित दस्तावेज लगाकर 6.70 लाख का लोन निकाल लिया। काफी समय तक जब उसने बैंक से लेनदेन नहीं किया तो बैंक कर्मचारियों ने इसकी जांच की।

त्योहारों में सियासी रंग भर वोटरों के बीच पहुंच रहे नेताजी

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर–बस्ती मंडल की नौ लोकसभा सीटों पर मतदान 25 मई और 01 जून को होगा। राजनीतिक दलों के घोषित और संभावित उम्मीदवार त्योहारों के उत्साह में वोटरों के बीच सियासी रंग भर रहे हैं। होली मिलन समारोह के बहाने सियासत की जमीन तो तैयार हो ही रही है, राम नवमी और ईद के बहाने भी वोटरों के बीच पहुंचने की नेताओं की पूरी कार्ययोजना तैयार है।

गोरखपुर और बांसगांव लोकसभा सीट पर भाजपा के साथ सपा गठबंधन के प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो चुकी है। गोरखपुर से भाजपा ने रवि किशन शुक्ला तो बांसगांव से कमलेश पासवान को दोबारा प्रत्याशी बनाया है। इसी तरह सपा ने गोरखपुर से काजल निषाद को तो बांसगांव से कांग्रेस ने सदल प्रसाद पर दांव लगाया है। इन नेताओं के जनसंपर्क का जो शिड्यूल जारी हो रहा है, उसमें होली मिलन समारोह अनिवार्य रूप से दिख रहा है। सांसद रवि किशन होली गीतों की प्रस्तुति से जहां माहौल बना रहे हैं, वहीं काजल निषाद भी सियासी रंग में दिख रही हैं। सांसद कमलेश पासवान से लेकर कांग्रेस नेता सदल प्रसाद भी दर्जनों होली मिलन समारोह में शिरकत कर चुके हैं। रवि किशन के पीआरओ पवन दूबे का दावा है कि 'रवि किशन की लोकप्रियता ऐसी है कि उन्हें हर वर्ग, समुदाय के लोग अपने त्योहारों में बुलाते हैं। इतना ही नहीं नेताओं की त्योहार वाले कार्यक्रमों में सक्रियता का शार्ट वीडियो भी लोगों के बीच खूब वायरल होता है। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला वर्ष 1988 से लगातार रामनवमी में फलाहारी का कार्यक्रम आयोजित करते हैं। उनके सहायक सतीश त्रिपाठी कहते हैं कि 'त्योहार अपनों और करीबियों से मेलजोल और मिलन का अवसर देते हैं। कोरोना काल को छोड़कर कभी यह आयोजन नहीं थमा। दीदउ गोरखपुर यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र विभाग के डॉ.मनीष पांडेय कहते हैं कि 'एक राजनेता समाज से जितना ही अधिक अंतःक्रिया और संपर्क करेगा, उसकी राजनीति में प्रासंगिकता उतनी ही स्थाई होगी।

मोटिवेशन कैम्प का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय साकुंघाट बस्ती में नामांकन हेतु मोटिवेशन कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की वार्डन माधुरी त्रिपाठी के द्वारा मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन तथा माल्यार्पण से किया गया। इस अवसर पर भारी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे तथा नामांकन का कार्य संपन्न कराया गया।

विद्यालय द्वारा व्यावसायिक शिक्षा हेतु हस्त निर्मित सामग्रियों की तथा विभिन्न प्रकार के शिक्षण सहायक सामग्रियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिसका उपस्थित अभिभावकों ने बहुत सराहना की। विद्यालय की वार्डन श्रीमती त्रिपाठी ने विद्यालय द्वारा दी जाने वाली निशुल्क भोजन, स्टेशनरी, दैनिक उपभोग सामग्री,कंप्यूटर शिक्षा, प्रोजेक्टर के माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा, ऑनलाइन क्लास आदि के बारे में अभिभावकों को जानकारी प्रदान की साथ ही वार्डन महोदया ने अभिभावकों को बताया कि विद्यालय में समय–समय पर मेहंदी, ग्रीटिंग कार्ड, रंगोली, पेंटिंग तथा विभिन्न हस्त निर्मित सामग्रियों को भी सिखाया जाता है जिसकी सहायता से भविष्य में छात्राएं व्यावसायिक शिक्षा की ओर अग्रसर हो सके। इस अवसर पर गीता पाल, सीमा रानी, अभिलाषा शर्मा, खुशबू उपाध्याय, बीना पाल, सुधेन्द्र कुमार सहाय, चंद्रकांत, रामजतन, उर्मिला, अजय सिंह, संगीता यादव, संगम आदि उपस्थित रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
वाद सं0 219/2020
अदालत–श्रीमान उप संचालक चकबन्दी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मायाराम
बनाम
केशरी प्रसाद आदि
1. केशरी प्रसाद पुत्र भगौती 2. राधवेन्द्र 3. जितेन्द्र पुत्रगण हरि प्रसाद साकिन बदौली तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–04–2024
अपील बनराजी अदालत उप संचालक चकबन्दी मुकाम बस्ती मयरिखा 06 महीना 06 सन् 2023 ई0 रेस्पान्डेन्टस
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 04 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।
अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख 01 माह 04 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 207/2023
निर्मला देवी–सायल
1. निर्मला देवी उम्र 39 साल पत्नी उमाशंकर ग्राम सिसई तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती पोस्ट हर्रैया
तारीख पेशी 10–04–2024
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 10–04–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्णवाद सं0 07/2014
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
राम कुबेर
बनाम
सियाराम आदि
1. सरकार उ0प्र0 जरिय जिलाधिकारी बस्ती 2. तहसीलदार हर्रैया तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. कानूनगो कप्तानगंज तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. हलका लेखपाल ग्राम भरू तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. आई0एस0आई0सी0 लोक जनरल इन्श्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड सत्यविजनेश वार्ड नं0 43/15 के0 किशोर मार्ग हजरतगंज लखनऊ
तारीख पेशी 07–05–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 399/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
गजराज
बनाम
अर्जुन प्रसाद आदि
1. अर्जुन प्रसाद 2. ईश्वर चन्द्र 3. उदयराज पुत्रगण जगरनाथ साकिनान जगुई तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. राम अचल 5. राजेन्द्र पुत्रगण रामदेव 6. पुष्पा देवी पत्नी विजय कुमार साकिनान जगुई तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
7. लालती देवी पत्नी नामालुम साकिन पड़ियापार जिला–बस्ती 8. लालमत्ता देवी पत्नी नामालुम ग्राम डारीडीहा जिला–बस्ती 9. उजरका देवी पत्नी नामालुम साकिन झिंगुरापार जिला संतकबीरनगर 10. सुमित्रा देवी पत्नी नामालुम साकिन शोभनपार जिला–बस्ती 11. फोटू देवी पत्नी नामालुम ग्राम सिकरा जिला–बस्ती 12. विमलादेवी पत्नी नामालुम ग्राम सरौली जिला–बस्ती (सभी पुत्रीगण राम सुभग) साकिनान जगुई तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती पोस्ट गोविन्दपुर–272170
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 08–05–2024
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर (उ.प्र.) से सम्बद्ध पूर्वान्चल महाविद्यालय कालेज मुण्डेरवा जनपद बस्ती से निर्गत स्नातक अन्तिम वर्ष अनुक्रमांक **21229100320023** वर्ष 2021 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।
(दीपक पाण्डेय)
पुत्र श्री हरीश पाण्डेय
मोहल्ला शिवा कालोनी
पोस्ट– पुरानी बस्ती
जनपद– बस्ती
मो0 9599999085

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा ग्रीन प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

क्षेत्रीय कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0
नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांक: नि0व0/(ई–निविदा) 2024–03 दिनांक: 02.04.2024

–: ई–निविदा सूचना :–

कार्यालय पत्रांक नि0व0/(ई–निविदा)/ 2024–712 दिनांक 14.03.2024 द्वारा ई–टेंडरिंग के माध्यम से दिनांक– 02–04–2024 को ई–निविदा आमंत्रित की गयी थी। जो दिनांक 02.04.2024 को अपरान्ह 12:30 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जानी थी परन्तु वर्तमान में आदर्श आचार संहिता 2024 प्रभावी होने के कारण उक्त निविदायें आदर्श आचार संहिता के उपरान्त दिनांक 11.06.2024 को खोली जायेगी।

उप निदेशक (निर्माण)
तद्दिनांक